▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 94 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 29-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारतीय विरासत में सिख गुरुओं का अविस्मरणीय योगदान रहा : योगी
6 गोपाष्टमी का उद्देश्य गौ प्रेम, गौ संरक्षण और गौ संवर्द्धन
7 डॉन पलथारा के अगले सिनेमाई ब्रह्मांड में प्रवेश करेंगी पार्वती थिरुवोथु

फर्स्ट टेक

एलन मस्क ने विकिपीडिया को टक्कर देने के लिए ग्रोकिपीडिया शुरू किया

वाशिंगटन/एपी। एलन मस्क ने ग्रोकिपीडिया नामक एक क्राउडसोर्स्ड ऑनलाइन विश्वकोश शुरू किया है, जिसे वह विकिपीडिया के प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मस्क ने कहा कि ग्रोकिपीडिया डॉट कॉम संस्करण 0.1 अब लाइव है और वादा किया कि संस्करण 1.0 (शुरुआती संस्करण से) 10 गुना बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि ग्रोकिपीडिया का लक्ष्य सत्य, संपूर्ण सत्य और केवल सत्य पेश करना है। मस्क ने पहले भी विकिपीडिया की आलोचना करते हुए कहा था कि यह दुष्प्रचार से भरा हुआ है और लोगों से इस साइट को दान देना बंद करने का आह्वान किया था। सितंबर में मस्क ने घोषणा की थी कि उनकी कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) कंपनी 'एक्स एआई' ग्रोकिपीडिया पर काम कर रही है।

उड़ानों में पावर बैंक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा सकता है डीजीसीए

नई दिल्ली/भाषा। विमानन नियामक डीजीसीए वैश्विक व्यवहार का अध्ययन करने के बाद उड़ानों में पावर बैंक के इस्तेमाल पर कुछ हद तक प्रतिबंध लगा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इंडिगो की एक उड़ान में 19 अक्टूबर को एक यात्री के पावर बैंक में आग लगने के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) उड़ानों में पावर बैंक के इस्तेमाल की जांच कर रहा है। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कुछ प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, लेकिन पावर बैंक के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की कोई योजना नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका तीन साल बाद एफएटीएफ की 'ग्रे सूची' से बाहर निकला

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका को करीब तीन साल बाद वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की संदिग्ध (ग्रे) सूची से बाहर निकलने में सफलता मिली है। वैश्विक धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी संस्था ने पिछले सप्ताह पेरिस में अपनी तीन दिवसीय पूर्ण बैठक के समापन के बाद इस निर्णय की घोषणा की। एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल देशों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और ऐसे देशों को धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण आदि का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक कमियों को दूर करना होता है। दक्षिण अफ्रीका के वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''गत 32 महीनों में, दक्षिण अफ्रीका ने कार्य योजना की प्रगति का आकलन करने के लिए एफएटीएफ द्वारा नियुक्त समीक्षकों की एक टीम के साथ काम किया है।''

29-10-2025	30-10-2025
सूर्यास्त 5:54 बजे	सूर्योदय 6:12 बजे

BSE	NSE
84,628.16	25,936.20
(-150.69)	(-29.85)

सोना	चांदी
13,446 रु.	148,678 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नमक हराम

कुछ लगा रहे नारे जम कर,
कह कर खुद को खालिस्तानी।
कुछ नक्सलवादी बने हुए,
कर रहे देश में मनमानी।
कुछ तोड़ रहे हैं देश आज,
फितरत जिनकी पाकिस्तानी।
थाली में छेद कर रहे हैं,
बन करके वे हिंदुस्तानी।।

सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को चालू रबी सत्र के लिए गैर-यूरिया उर्वरकों फॉस्फोरस और पोटाश पर पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी देने के कैबिनेट के फैसले की सराहना की और कहा कि उनकी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी सत्र 2025-26 के लिए फॉस्फोरस (पी) और सल्फर (एस) पर सब्सिडी बढ़ाते हुए कृषक समुदाय को राहत प्रदान करने के लिए 37,952 करोड़ रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी है।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हम देशभर के अपने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 2025-26 के रबी सत्र के लिए फॉस्फोरस और पोटाश उर्वरकों पर सब्सिडी को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं को किफायती दर पर उर्वरक उपलब्ध हो सकेंगे, वहीं उनकी कमाई भी बढ़ेगी।''

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने चालू रबी सत्र के लिए फॉस्फोरस पर सब्सिडी को 43.60 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 47.96 रुपए प्रति किलोग्राम कर दिया है। इसी तरह, सल्फर पर सब्सिडी 1.77 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 2.87 रुपए प्रति किलोग्राम कर दी गई है।

दूसरी ओर, नाइट्रोजन (एन) और पोटाश (के) के लिए सब्सिडी दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें एक अक्टूबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेंगी।

देश के कई हिस्सों में रबी फसलों (सर्दियों के मौसम में होने वाली फसलों) की बुवाई शुरू हो गई है। इस मौसम में उगाई जाने वाली मुख्य फसलें गेहूं, सरसों और चना हैं।

नई नेवी ब्लू पीक कैप

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को बेंगलूरु के विधान सौध में पुलिस कांस्टेबलों के लिए नई नेवी ब्लू पीक कैप (ब्रिटिश काल की ढीली टोपी की जगह) लॉन्च की और वितरित कीं।

भारत का 2050 तक वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा केंद्र बनने का इरादा : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2050 तक भारत न केवल अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करेगा, बल्कि वैश्विक सौर ऊर्जा मांग के एकीकरण और नवाचार, विनिर्माण तथा ज्ञान के आदान-प्रदान का केंद्र बनने का लक्ष्य भी रखता है। राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के आठवें सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु कार्रवाई और ग्रामीण समृद्धि के बीच तालमेल टिकाऊ वृद्धि की कुंजी है।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता में चौथे, पवन ऊर्जा में चौथे और सौर ऊर्जा उत्पादन में तीसरे स्थान पर मौजूद होने का जिक्र करते हुए मुर्मू ने कहा, यह हमारे मजबूत नीतिगत ढांचे और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश की स्थापित सौर क्षमता 120 गीगावाट को पार कर चुकी है, जो वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान' (पीएम-कुसुम) किसानों को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने के साथ भारत की इस प्रतिबद्धता को भी मजबूत कर रहा है कि वर्ष 2030 तक बिजली उत्पादन की 40 प्रतिशत क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से आएगी।

राष्ट्रपति ने कहा, भारत वर्ष 2050 तक केवल अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह वैश्विक सौर मांग को एकीकृत करने, नवाचार और विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाला केंद्र भी बनना चाहता है। उन्होंने महिलाओं की भागीदारी को टिकाऊ वृद्धि का अहम हिस्सा बताते हुए कहा कि आईएसए की 'सोलर फॉर शी' पहल नीतियों, वित्तीय सहयोग और प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बना रही है।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की शुरुआत 2015 में हुई थी और इसका स्थापना सम्मेलन 2018 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

मुर्मू ने कहा कि सौर ऊर्जा का विस्तार ऊर्जा के लोकतांत्रीकरण का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे नागरिक न केवल उपभोक्ता बल्कि परिवर्तन के सहभागी बनेंगे। उन्होंने आईएसए के सदस्य देशों से 'मेगावॉट की बजाय जीवन में आई रोशनी, सशक्त परिवारों और व्यापक रूप से बदले समुदायों से प्रगति मापने' की अपील भी की।

नेतन्याहू ने गाजा पर हमले का आदेश दिया

हमास ने बंधक का शव लौटाने में देरी की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सेना को गाजा में तुरंत शक्तिशाली हमले करने का आदेश दिया है, जिसके जवाब में हमास ने घोषणा की कि वह एक बंधक का शव लौटाने में देरी करेगा। इस घटनाक्रम को अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्ध-विराम के लिए एक नई चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

नेतन्याहू ने सेना के यह जानकारी देने के कुछ ही देर बाद गाजा पर फिर से हमले करने का आदेश दिया कि हमास ने दक्षिणी गाजा में इजराइली बलों पर गोलीबारी की है। इससे पहले, दोनों पक्षों में तब तनाव बढ़ गया था, जब नेतन्याहू ने कहा था कि हमास की ओर से रातोंरात लौटाए गए एक बंधक के अवशेष, लगभग दो साल पहले इजराइली सैनिकों द्वारा गाजा में बरामद किए गए एक बंधक के शव के हैं।

नेतन्याहू ने अवशेषों की वापसी को अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्ध-विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया, जिसके तहत हमास को सभी इजराइली बंधकों के शवों को जल्द से जल्द लौटाना है।

युद्ध-विराम के खतरे में पड़ने का एक और संकेत मंगलवार को उस समय मिला, जब दक्षिणी शहर राफा में इजराइली सैनिकों पर गोलीबारी की गई। इसके बाद इजराइली बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

गाजा में अब भी 13 बंधकों के शव हैं और उन अवशेषों को सौंपने की धीमी प्रक्रिया युद्धविराम के अगले चरणों को लागू करने में चुनौती पेश कर रही है।

हमास ने कहा है कि वह गाजा में भारी तबाही के बीच शवों का पता लगाने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि इजराइल ने चरमपंथी समूह पर जानबूझकर शवों को लौटाने में देरी करने का आरोप लगाया है।

कफ सिरप हादसा:

मध्यप्रदेश में दवा कंपनी का मेडिकल प्रतिनिधि गिरफ्तार

छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश)/भाषा। पुलिस ने कथित तौर पर जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप बनाने वाली कंपनी के एक मेडिकल प्रतिनिधि को गिरफ्तार किया है। इस सिरप के कारण मध्यप्रदेश में 24 बच्चों की मौत होने का संदेह है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रतिबंधित मिलावटी कफ सिरप तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मा कंपनी द्वारा बनाया जाता था। मौतों के बाद, तमिलनाडु सरकार ने श्रीसन फार्मा का निर्माण लाइसेंस रद्द कर दिया और कंपनी को बंद कर दिया। यहां परसिया के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी जितेंद्र कुमार जाट ने बताया कि कंपनी के मेडिकल प्रतिनिधि सतीश वर्मा को रविवार-सोमवार की दरमियानी रात छिंदवाड़ा से गिरफ्तार किया गया और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने अब तक इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें फार्मा कंपनी के मालिक जी रंगनाथन और बच्चों को यह सिरप देने वाले डॉ. प्रवीण सोनी शामिल हैं। मध्यप्रदेश में अब तक, 24 बच्चों की 'कोल्ड्रिफ' सिरप पीने के बाद कथित रूप से किडनी फेल होने के कारण मौत हो चुकी है जिनमें से ज़्यादातर बच्चे पांच साल से कम उम्र के हैं। इसके अलावा, राजस्थान में भी इस कफ सिरप को पीने से कम से कम तीन बच्चों की मौत हो चुकी है।

समुद्री सुरक्षा को अब खतरे को रोकने के संकीर्ण नजरिये से नहीं देखा जा सकता : नौसेना प्रमुख

■ देशों की किस्मत तय करने से लेकर मानवता का भविष्य लिखने तक, समुद्र हमेशा से ''हमारी साझा किस्मत'' का सबसे सच्चा पैमाना रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि जटिल और एक-दूसरे से आपस में जुड़ी हुईं चुनौतियों के इस मुश्किल दौर में, समुद्री सुरक्षा को अब केवल खतरों को रोकने के संकीर्ण नजरिये से नहीं देखा जा सकता।

नौसेना प्रमुख ने यहां 'इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग' 2025 में अपने संबोधन में कहा कि इसे प्रोफेसर रीकमैन के 'डायनैक्सिक चैलेंज' के तौर पर समझने की जरूरत है, जो एक ऐसी चुनौती है जो गतिशील और जटिल दोनों है।

नौसेना 28 से 30 अक्टूबर तक मानेकशॉ सेंटर में तीन दिन के सम्मेलन का आयोजन कर रही है, जिसमें कई देशों के नौसेना अधिकारी और विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''सदियों से, समुद्र सबसे पुराने रास्ते रहे हैं -- जो सिर्फ वाणिज्य और संस्कृति ही नहीं, बल्कि जिज्ञासा और हिम्मत भी (एक जगह से दूसरी जगह) ले जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि देशों की किस्मत तय करने से लेकर मानवता का भविष्य लिखने तक, समुद्र हमेशा से ''हमारी साझा किस्मत'' का सबसे सच्चा पैमाना रहा है।

नौसेना प्रमुख ने कहा कि जटिल और एक-दूसरे से आपस में जुड़ी हुईं चुनौतियों के इस मुश्किल दौर में, समुद्री सुरक्षा को अब सिर्फ खतरे को रोकने के संकीर्ण नजरिये से नहीं देखा जा सकता।

प्रार्थना सभा

उम्र 103 वर्ष

देह परिवर्तन 23.10.2025

स्व. श्रीमती सुमटीबाई भंडारी

धर्मपत्नी : संघवी स्व. श्री भबूतमलजी भंडारी (मरुधर में सायला)

प्रार्थना सभा

बुधवार, 29.10.2025 सुबह 9.15 बजे से

स्वामिवात्सल्य : सुबह 11.00 बजे से

स्थल : गोड़वाड़ भवन, प्रेरणा मोटर्स के पास, लालबाग रोड क्रॉस, बेंगलूरु

: शोकाकुल :

पुत्र : चम्पालाल, भतीज : धीरजकुमार, अशोककुमार, हीराचन्द, रविकुमार, पौत्र : प्रतीक,
पुत्री-दामाद : कमलाबाई-स्व. जवेरचन्दजी दांतेवाड़िया, गुलाबीदेवी-प्रकाशकुमारजी बंदामुथा
पौत्री-दामाद : निकिता-राहुलकुमारजी दांतेवाड़िया, पूजा-विधांतकुमारजी दुगड़
पड़दोहित्र-पड़दोहित्री : रीत, रित्वी, जयकुमार एवं समस्त भंडारी परिवार, सायला, बेंगलूरु

निवास स्थान : संघवी चम्पालाल भबूतमलजी भंडारी
नं. 8, प्रतीक विला, रेलवे पैरलल रोड, नेहरू नगर, बेंगलूरु -20
मो. : 98441 98341, 98459 00700, 98800 05005, 99000 02050

फर्म : Paras CORPORATION - Bengaluru

नोट : पल्ला प्रथा बंद है।

पीहर पक्ष : धनराजजी, बाबूलालजी, घेवरचन्दजी, सोहनलालजी, जयंतीलालजी, मदनलालजी, महेन्द्रकुमारजी, फतेहचन्दजी, नरपतराजजी, अनिलकुमारजी एवं समस्त संघवी परिवार (आलासन)

लाहौर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। एक निजी प्रौद्योगिकी कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान का लाहौर शहर सोमवार को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा।

एक सप्ताह में ऐसा दूसरी बार हुआ है, जहां धुंध का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानदंडों से कहीं अधिक खतरनाक स्तर पर पहुंच गया।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर का अपना वायु गुणवत्ता सूचकांक नहीं है। हालांकि प्रांतीय सरकार का कहना है कि वह स्मॉग आपातकालीन योजना को सक्रिय रूप से लागू कर रही है, विशेष रूप से लाहौर में।

आईक्यूएयर के नामक कंपनी के मुताबिक लाहौर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर 312 तक पहुंच गया। शहर की आबो हवा में सबसे हानिकारक कण पीएम 2.5 की सांद्रता 190.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गई। आईक्यूएयर ने एक बयान में कहा, ''यह स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वार्षिक वायु गुणवत्ता दिशानिर्देश से 25 गुना ज़्यादा है। लाहौर का 'रियल-टाइम स्टेशन रैंकिंग' और भी भयावह तस्वीर पेश कर रही है। शहर के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर 'खतरनाक' के स्तर को पार कर गए हैं।''

बयान में कहा गया है कि सोमवार रात 10 बजे लाहौर वायु प्रदूषण के मामले में प्रमुख शहरों की वैश्विक सूची में शीर्ष पर रहा, तथा उसने दिल्ली (एक्यूआई 220) और कोलकाता (एक्यूआई 170) जैसे अन्य स्थानों को पीछे छोड़ दिया।

लाहौर की हवा में पीएम 2.5 की सांद्रता वैश्विक अनुमन्य सीमा पांच प्रति घन मीटर से कई गुना अधिक है, जिससे श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों के साथ-साथ अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ रहा है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए।

राजस्थान परिषद का भव्य दीपावली स्नेह मिलन संपन्न

ग्रैंड आरपीसीएल टीम ऑक्शन और दिव्य सेवा सम्मान बने आकर्षण का केंद्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय राजस्थान परिषद का दीपावली स्नेह मिलन-2025 का आयोजन पैलेस ग्राउंड पर हुआ जिसमें परिषद के अध्यक्ष संजय बैद ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए दीपावली की मंगलकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कारों से थली समाज को सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम के संयोजक विकास लोढ़ा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि परिषद परिवार का यह स्नेह मिलन प्रेम, एकता और सहयोग की मिसाल है। वहीं लेडीज़ विंग संयोजिका रुचिका पटवारी ने भी सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ दी। मीडिया चेयरमैन दिनेश मरोठी ने बताया कि कार्यक्रम का सबसे आकर्षण का केन्द्र 'राजस्थान परिषद क्रिकेट लीग' (आरपीसीएल) का ऑक्शन रहा। आरपीसीएल के चेयरमैन सूरज चिंडालिया ने कहा कि इस बार यह प्रतियोगिता केवल एक खेल नहीं बल्कि विशाल उत्सव होगा जो उत्साह, मनोरंजन ग्लैमर और भाईचारे का संगम बनेगा। आरपीसीएल के मेंटर सुनील सुराणा ने टीम ऑक्शन के नियमों की जानकारी दी, जिसके बाद लोगो एवं थीम सॉन्ग का विमोचन किया गया। ऑक्शन का संगीतमय संचालन एंकर हितेश मेहता और प्रियंका लाल ने किया।

इस ऑक्शन में कुल 8 टीमें सरदारशहर, बीदासर, चूरू, रतनगढ़, सुजानगढ़, लाडनूं, गंगाशहर और चाड़वास टीम तय हुई। सभी टीम मालिकों का मंच पर सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में लेडीज़ विंग और बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को उल्लास से भर दिया।

इस स्नेह मिलन के प्रायोजक गुरु पुनवानी प्रॉपर्टीज के हनुमानमल संजय बैद और विकाश बोहरा तथा आरपीसीएल के सभी पूर्व चेयरमैनों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजस्थान परिषद डायरेक्ट्री के कवर पेज का विमोचन संयोजक सुशील चोरड़िया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रदीप हीरावत, राजेश छाजेड़, ऋषभ बरड़िया आदि ने व्यवस्था संभाली। सचिव रजत बैद ने सभी को धन्यवाद दिया।

अपने जीवन में सेवा गुण का भाव अपनाएँ : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य का जीवन परस्पर एक दूसरे के सहयोग पर आधारित है। तिर्यंच प्राणियों में परस्पर सहयोग भाव का अभाव देखा जाता है वहीं एक सेवा भावना के गुण और परस्पर सहयोग भाव के कारण ही जगत के सभी प्राणियों में सर्व श्रेष्ठ उत्तम श्रेणी में गिना जाता है। भगवान ऋषभदेव के पुत्र बाहुबली का उदाहरण देते हुए मुनिश्री ने कहा कि अपने पूर्व भव में संत मुनि भगवन्तों, त्यागी महापुरुषों की उत्कृष्ट उत्तम प्रकार से की गई सेवा के कारण ही वे जग में अपने बड़े भाई भरत चक्रवर्ती से भी बढ़कर महान शक्तिशाली, महान अपूर्व बलशाली हुए। उन्होंने कहा कि सेवा पुण्य की सर्वोत्तम प्रकृति है। भगवान महावीर ने कहा है कि सेवा, वैयावच्च की सम्यक आराधना करने से साधक आत्मा तीर्थंकर पद को भी प्राप्त कर लेता है। संतश्री ने कहा कि सेवा करने से कर्मों की निर्जरा होती है। दूसरों की सेवा करने में अपने मन में मान, सत्कार सम्मान की भावना नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हम देखते हैं कि लोगों में, समाज, परिवार में परस्पर सहयोग, सेवा भाव की कमी दिखाई देती है। इंसान में अपने पद प्रतिष्ठा, धन वैभव का अहंकार आ जाने से उसमें सेवा का गुण गौण हो गया है। वहीं मध्यम संस्कारित परिवारों में, सदस्यों में सेवा कार्य भावना की प्रवृत्ति आज भी बड़े लोगों की अपेक्षा ज्यादा दिखाई देती है। मुनिश्री ने कहा कि अपने माता पिता और गुरु की सेवा में मानव को सदैव आगे रहना चाहिए और उनकी पूर्ण समर्पित भाव से सेवा करनी चाहिए, जिससे बड़ों का आशीर्वाद कृपा भी आपको हमेशा प्राप्त होती रहे और आपके पुण्य संचय में भी वृद्धि होती रहे।

मधुर वक्ता शालिभद्रमुनिजी ने कहा कि व्यक्ति को हमेशा आत्मीय भावों के साथ जिनशासन की सेवा में समर्पित भाव से जुड़े रहना चाहिए। मन ही शिव है। मन ही शक्ति है। यह जीवन प्रकृति का सबसे बड़ा उपहार है, इसे सेवा गुण से रोशन कीजिए। प्रारंभ में साध्वी समृद्धिश्रीजी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्ति का जीवन तभी श्रेष्ठ बन सकता है जब उसके जीवन में आराधना टॉप, पापों का स्टॉप और धर्म, साधना, आराधना का स्टॉक हो। समिति के महामंत्री महावीर चंद मेहता ने संचालन किया ।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ पूजा के बाद यमुना के घाटों पर सफाई अभियान शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार सुबह छठ पूजा के समापन के कुछ घंटों बाद यमुना के वासुदेव घाट पर विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कंपिल मिश्रा के साथ गुप्ता ने पानी की बोतलें, फूल, दीये और अन्य ठोस अपशिष्ट सहित कूड़ा एकत्र किया। उन्होंने घाट के एक हिस्से की सफाई भी की। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''पूरे शहर में छठ पर्व मनाया गया और संभव है कि कुछ कचरा बच गया होगा। हम एक विशेष अभियान चलाकर इसे साफ करेंगे।'' उन्होंने कहा कि यमुना के पानी में तैर रहे और वासुदेव घाट पर बिखरे अपशिष्ट पदार्थों की सफाई की जा रही है। इस अभियान में सभी को शामिल होने की जरूरत है। गुप्ता ने कहा, ''स्वच्छता कार्य पूरे वर्ष, चौबीसों घंटे किया जाना चाहिए। यह एक सतत प्रयास है जिसे सरकार और लोगों दोनों को ही करना होगा।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने महापौर राजा इकबाल सिंह के साथ मिलकर छठ के लिए यमुना घाटों और पार्कों व अन्य क्षेत्रों में बनाए गए कृत्रिम तालाबों से कचरा एकत्र करने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अभियान की शुरुआत की।

दिल्ली सरकार ने इस वर्ष हरियाणा सीमा पर पल्ला से लेकर कालिंदीकुंज तक यमुना के पार 17 स्थानों पर छठ घाट तैयार किए थे। इसके अलावा शहर में लगभग 1,500 अन्य घाट भी बनाए गए थे।

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर मान ने कहा: भाजपा किसानों को बदनाम करने के लिए पंजाब को जिम्मेदार ठहरा रही

चंडीगढ़/भाषा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पंजाब को जिम्मेदार बता रही है। इसके साथ ही मान ने कहा कि उसने राज्य के किसानों को बदनाम करने के लिए इस मामले को राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। मान ने कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यहां मीडिया से कहा कहा कि दिल्ली की धुंध के लिए पंजाब को ज़िम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर पराली का धुआं पंजाब से दिल्ली जाएगा, तो हवा उत्तर से दक्षिण की ओर चलनी चाहिए, जो अभी नहीं हो रहा है।

मान ने कहा, इसके अलावा, 70-80 प्रतिशत धान अब तक मंडियों में नहीं आई है। केवल 90 लाख मीट्रिक टन ही आ पाई है, और अभी बहुत कुछ आना बाकी है। दिल्ली की भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए मान ने कहा, (दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह) सिरसा साहब पहले ही कह चुके हैं कि धुआं दिल्ली तक पहुंच गया है। उन्होंने हरियाणा के बारे में बात क्यों नहीं की? हरियाणा, दिल्ली और पंजाब के बीच में स्थित है। वे यमुना की सफाई नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पूछा कि दिल्ली का एक्यूआई 400, 500 कैसे पार कर जाता है? मान ने कहा, धुआं दिल्ली क्यों पार नहीं करता? क्या उसे पता है कि उसे कनॉट प्लेस या दिल्ली में किसी और ख़ास जगह पर रुकना है?

भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, वह किसानों को बदनाम करने के लिए इस मामले को राजनीतिक मुद्दा बना रही है। मैं पहले दिन से ही कह रहा हूं कि अन्नदाताओं को बदनाम मत करो, बल्कि (पराली जलाने के मुद्दे का) समाधान निकालो।

दिल्ली के कुछ इलाकों में कृत्रिम बारिश का पहला परीक्षण किया गया : सिरसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि उनकी सरकार ने आईआईटी-कानपुर के सहयोग से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में कृत्रिम बारिश का पहला परीक्षण किया तथा अगले कुछ दिनों में इस तरह के और परीक्षण किए जाने की योजना है।

पर्यावरणविदों ने हालांकि दिल्ली सरकार के कृत्रिम बारिश परीक्षण को एक अल्पकालिक उपाय बताया है।

उन्होंने कहा है कि इससे प्रदूषण अस्थायी रूप से कम हो सकता है, लेकिन यह राष्ट्रीय राजधानी की बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मूल कारणों का समाधान करने में विफल रहेगा।

अधिकारियों ने बताया कि कृत्रिम बारिश की खातिर रसायनों का छिड़काव करने के लिए विमान ने कानपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरी और मेरठ की हवाई पट्टी पर उतरने से पहले बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग और मयूर विहार जैसे क्षेत्रों में रसायनों का छिड़काव किया।

सिरसा ने एक वीडियो बयान में कहा, ''सेसना विमान ने कानपुर से उड़ान भरी। इसने आठ झोंकों में रसायनों का छिड़काव किया। प्रत्येक झोंके में छिड़काव किये गए रसायन का वजन 2 से 2.5 किलोग्राम था और परीक्षण आधे घंटे तक चला। रसायन का छिड़काव करने का प्रत्येक झोंका दो से ढाई मिनट का था। बादलों में 15 से 20 प्रतिशत आर्द्रता थी। रसायनों के छिड़काव की प्रक्रिया 17 से 18 मिनट तक चली।''

आईओसी रूसी तेल खरीदना जारी रखेगी क्योंकि प्रतिबंध तेल पर नहीं बल्कि कुछ कंपनियों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और अन्य भारतीय तेल कंपनियां रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह से बंद नहीं करेंगी क्योंकि हालिया प्रतिबंध केवल विशिष्ट रूसी आपूर्तिकर्ता के लिए हैं न कि तेल पर। यह एक ऐसी स्थिति है जो गैर-प्रतिबंधित संस्थाओं के माध्यम से प्रवाह जारी रखने की संभावना को खोलती है।

अधिकारियों ने बताया कि अब तक चार रूसी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं, लेकिन भारत को सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता कंपनी रोसनेफ्ट (जो लगभग 45 प्रतिशत तेल प्रवाह का प्रबंधन करती है) वास्तविक उत्पादक नहीं बल्कि एक 'एग्रीगेटर' है। रूस के क्षेत्रों से कच्चे तेल का एकत्रीकरण अन्य गैर-प्रतिबंधित संस्थाओं द्वारा किया जा सकता है, जिससे आपूर्ति जारी रह सकती है। अमेरिका के पिछले सप्ताह रूस के दो शीर्ष कच्चे तेल निर्यातकों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल के लिए कोई नया ऑर्डर नहीं दिया है। वे बदले हुए परिदृश्य का आकलन कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता में कोई त्रुटि न हो। आईओसी के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने कहा, '' जब तक हम प्रतिबंधों का पालन कर रहे हैं, हम रूसी कच्चे तेल की खरीद बिल्कुल बंद नहीं करेंगे। रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध नहीं है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में अगले साल 20-24 विमान शामिल हो सकते हैं : प्रबंध निदेशक

मुंबई/भाषा। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने मंगलवार को कहा कि उसकी किफायती सेवा एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में अगले कैलेंडर वर्ष में 20 से 24 विमान शामिल किए जा सकते हैं। एयर इंडिया के बेड़े में फिलहाल 110 विमान हैं जिनमें एयरबस 320/321, बोइंग 737 व 737 मैक्स शामिल हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के पहले रेट्रोफिटेड विमान के प्रदर्शन के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा, '' हम अगले कैलेंडर वर्ष में 20 से 24 विमान लाने की योजना बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि हालांकि यह आपूर्ति शृंखला और बोइंग विनिर्माण सुविधा में उत्पादन की प्रगति पर निर्भर करेगा।

सिंह ने कहा कि एयर इंडिया एक्सप्रेस अब घरेलू बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

चक्रवात 'मोंथा' के कारण विशाखापत्तनम हवाई अड्डे से सभी 32 उड़ानें रद्द

अमरावती/भाषा। भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कारण मंगलवार को विशाखापत्तनम हवाई अड्डे से संचालित होने वाली कुल 32 उड़ानें रद्द कर दी गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशाखापत्तनम हवाई अड्डे के निदेशक एन. पुरुषोत्तम ने कहा कि 27 अक्टूबर को एअर इंडिया एक्सप्रेस की दो उड़ानें रद्द कर दी गई थीं।

पुरुषोत्तम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''दरअसल हम हर दिन 30 से 32 उड़ानें संचालित कर रहे हैं, जिनमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों शामिल हैं। आज वे सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।'' उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार भीषण चक्रवाती तूफान से बचाव के लिए सावधानियां बरती हैं, जिसमें चक्रवात से पहले और बाद के चरण शामिल हैं। इसी तरह, विजयवाड़ा हवाई अड्डे ने आज 16 उड़ानें रद्द कर दीं लेकिन पांच उड़ानें संचालित कीं।

विजयवाड़ा हवाई अड्डे के निदेशक लक्ष्मीकांत रेड्डी ने कहा, ''कल (सोमवार) विशाखापत्तनम के लिए केवल एक उड़ान रद्द हुई थी। लेकिन आज दिल्ली और मुंबई सहित देश भर के विभिन्न गंतव्यों के लिए 16 उड़ानें रद्द कर दी गईं।'' रेड्डी के अनुसार, एयरलाइनों ने मंगलवार के लिए परिचालन स्थगित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बुधवार की उड़ानों के संचालन के बारे में शाम तक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

शिंदे ने उद्धव पर किया पलटवार, कहा 'मुंबई के खजाने पर कुंडली मारकर बैठा एनाकोंडा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर जोरदार हमला करते हुए उनकी तुलना एक ऐसे एनाकोंडा से की, जिसकी भूख कभी खत्म नहीं होती और जो मुंबई के खजाने पर कुंडली मारकर बैठा हुआ है। शिंदे की यह टिप्पणी ठाकरे के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें शिवसेना (उबाठा) प्रमुख ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एनाकोंडा कहा था, जो मुंबई को निगलना चाहता है।

उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, ''जो लोग (दूसरों को) एनाकोंडा कहते हैं वे खुद एनाकोंडा हैं, जो मुंबई के खजाने पर कुंडली मारकर बैठे हुए हैं। इस एनाकोंडा की खासियत यह है कि इसका पेट कभी नहीं भरता।'' शिंदे ने विपक्षी पार्टी पर लगे घोटालों के आरोपों का ज़िक्र करते हुए कहा, ''उन्होंने मुंबई को, उसके खजाने, कई भूखंडों, यहां तक कि मरीजों के लिए खिचड़ी (कोविड-19 महामारी के दौरान) को भी निगल लिया। यहां तक कि मीठी नदी की गाद निकालने में भी भ्रष्टाचार किया। इस एनाकोंडा की भूख कभी खत्म नहीं होती।'' अविभाजित शिवसेना का 1997 से 2022 तक बीएमसी पर नियंत्रण था। शाह पर ठाकरे के बयान की भाजपा ने भी कड़ी आलोचना की। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि ठाकरे राज्य विधानसभा चुनावों में मिली हार के कारण हताश हैं। बावनकुले ने कहा, ''उद्धव जी को खुद को आईने में देखना चाहिए क्योंकि वह एक अजगर हैं जो पड़े रहते हैं और दूसरों की कड़ी मेहनत पर फुफकारते हैं।''

देश का औद्योगिक उत्पादन सितंबर में चार प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। देश का औद्योगिक उत्पादन विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के दम पर सितंबर में चार प्रतिशत बढ़ा है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी मिली। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया औद्योगिक उत्पादन सितंबर 2024 में 3.2 प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अगस्त, 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन के वृद्धि के आंकड़ों को चार प्रतिशत के अस्थायी अनुमान से संशोधित कर 4.1 प्रतिशत कर दिया है। एनएसओ के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन सितंबर, 2025 में 4.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि सितंबर, 2024 में यह चार प्रतिशत बढ़ा था। खनन उत्पादन में 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि एक साल पहले इसमें 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। बिजली उत्पादन में सितंबर 2025 में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि (पहली छमाही) के दौरान देश के औद्योगिक उत्पादन में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 2024-25 की पहली छमाही में यह 4.1 प्रतिशत रही थी।

भारत की मिट्टी में नाइट्रोजन, ऑर्गेनिक कार्बन जैसे पोषक तत्वों की अत्यधिक कमी : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की मिट्टी में नाइट्रोजन और कार्बनिक कार्बन जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की अत्यधिक कमी है, जिस कारण टिकाऊ कृषि के भविष्य के लिए गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। एक अध्ययन में मंगलवार को यह दावा किया गया। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) द्वारा किया गया यह अध्ययन सरकार के अपने मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आंकड़ों पर आधारित है।

इसमें पाया गया कि मिट्टी के 64 प्रतिशत नमूनों में नाइट्रोजन की मात्रा कम मिली और 48.5 प्रतिशत में कार्बनिक कार्बन की मात्रा कम थी, जो मृदा उर्वरता और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से उबरने को दर्शाने वाले दो प्रमुख संकेतक हैं। निष्कर्षों से पता चला है कि भारत में उर्वरकों के अधिक इस्तेमाल से मिट्टी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ है। अध्ययन के अनुसार, आंकड़ों से पता चलता है कि मिट्टी में नाइट्रोजन आधारित उर्वरक डालने से ''मृदा में नाइट्रोजन के स्तर में कोई खास सुधार नहीं होता'' और यह भी कहा गया है कि ''कुल (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैशियम) उर्वरक के इस्तेमाल से मिट्टी में जैविक कार्बन में कोई सुधार नहीं होता।''

अध्ययन में कहा गया है, ''स्वस्थ मिट्टी का एक महत्वपूर्ण कार्य कार्बनिक कार्बन को संग्रहीत करने की उसकी क्षमता है, जो इसे जलवायु परिवर्तन शमन के लिए आवश्यक बनाता है। भारत की मिट्टी सालाना अनुमानतः 6 से 7 टेराग्राम कार्बन को सोख सकती है।'' ''सतत खाद्य प्रणालियां: जलवायु-जोखिम वाले समय के लिए एजेंडा'' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट राजस्थान के निमली स्थित अनिल अग्रवाल पर्यावरण प्रशिक्षण संस्थान (एएईटीआई) में सीएसई द्वारा आयोजित सतत खाद्य प्रणालियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में जारी की गई।

राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन के तहत 2015 में शुरू की गई मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) योजना, 12 रासायनिक मापदंडों का परीक्षण करती है और किसानों को उर्वरक उपयोग के बारे में सुझाव देती है। इस योजना के तहत 2023 और 2025 के बीच लगभग 1.3 करोड़ मृदा नमूनों का परीक्षण किया गया। हालांकि, सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि निगरानी अभी भी अधूरी है। सीएसई के खाद्य प्रणाली कार्यक्रम के निदेशक अमित खुराना ने कहा, ''केवल इन मापदंडों पर ध्यान केंद्रित करने से समग्र मृदा पोषक स्थिति का पता नहीं चलता। एफएओ (विश्व खाद्य संगठन) के 'ग्लोसोलन' जैसे अंतरराष्ट्रीय निकाय मृदा स्वास्थ्य के समग्र मूल्यांकन के लिए भौतिक और जैविक संकेतकों को शामिल करने की सलाह देते हैं।''

आगा खान फाउंडेशन में कृषि, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के वैश्विक प्रमुख अपूर्व ओझा ने कहा, ''पिछले दो वर्षों में, मृदा कार्ड परीक्षण केवल 1.1 करोड़ तक ही पहुंच पाया है। मृदा परीक्षण के संदर्भ में, क्या मापा जा रहा है, क्यों और किसके द्वारा, अंतराल को समझने के लिए यह महत्वपूर्ण है।'' सीएसई मूल्यांकन ने नीति और कार्यान्वयन में अंतराल को भी उजागर किया।

भारतीय कार्यबल का 30 प्रतिशत सेवा क्षेत्र में, वैश्विक औसत से कम: नीति रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि भारत का सेवा क्षेत्र देश के लगभग 30 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार देता है, जो धीमे संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है। यह आंकड़ा अभी भी वैश्विक औसत 50 प्रतिशत से कम है। आयोग ने 'भारत का सेवा क्षेत्र: रोजगार के रुझान और राज्य-स्तरीय गतिशीलता से मिली अंतर्दृष्टि' शीर्षक वाली एक रिपोर्ट में कहा कि सेवाएं भारत की रोजगार वृद्धि और महामारी के बाद सुधार का मुख्य आधार बनी हुई हैं।

आयोग ने कहा, ''सेवा क्षेत्र में रोजगार 2011-12 के 26.9 प्रतिशत की तुलना में 2023-24 में बढ़कर 29.7 प्रतिशत हो गया और पिछले छह वर्षों में चार करोड़ नौकरियों का सृजन हुआ।'' रिपोर्ट में कहा गया, ''हालांकि, यह अभी

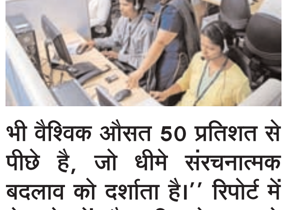

भी वैश्विक औसत 50 प्रतिशत से पीछे है, जो धीमे संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है।'' रिपोर्ट में सेवा क्षेत्र में औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देने के लिए संरचनात्मक सुधारों, सामाजिक सुरक्षा में तेजी लाने, अनौपचारिक श्रमिक पंजीकरण के डिजिटलीकरण और देखभाल सेवाओं को औपचारिक बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि जहां सेवा क्षेत्र राष्ट्रीय उत्पादन में आधे से ज्यादा का योगदान देता है, वहीं ये एक-तिहाई से भी कम नौकरियां देता है, जिनमें से ज्यादातर असंगठित और कम वेतन वाली हैं। इसमें कहा गया, ''वृद्धि और रोजगार के बीच यह अंतर भारत के सेवा-आधारित विकास के लिए मुख्य चुनौती है।'' इसमें कहा गया कि 60 प्रतिशत से ज्यादा शहरी श्रमिक सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 20 प्रतिशत से भी कम है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सेवा क्षेत्र में स्त्री-पुरुष भेद अभी भी स्पष्ट है और केवल 10.5 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं ही सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं। शहरों में महिलाएं सेवा क्षेत्र में 60 प्रतिशत हैं, और उनकी भागीदारी काफी हद तक कम-मूल्य वाली गतिविधियों तक ही सीमित है।

कर्नाटक में पुलिसकर्मी अब पारंपरिक टोपी की जगह गहरे नीले रंग की टोपी पहनेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में पुलिस कांस्टेबल अब पारंपरिक ढीली और झुकी हुई टोपी की जगह गहरे नीले रंग की टोपी पहनेंगे। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को नयी टोपी जारी की और इसे पुलिसकर्मियों को वितरित किया। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इस बदलाव से पुलिसकर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। अधिकारियों के अनुसार, ढीली टोपी से गहरे नीले रंग की टोपी के रूप में वर्दी में यह बदलाव राज्य पुलिस बल के लिए एक महत्वपूर्ण और ''समयानुकूल परिवर्तन'' है। ढीली टोपी के विपरीत नयी टोपी पर कांस्टेबल का सेवा क्रमांक नहीं होगा जो केवल वर्दी के कंधे के बैज पर प्रदर्शित होगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने यहां विधान सौधा में उद्घाटन और वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''मैंने आज जारी नई टोपी का डिजाइन चुना है। 1956 से लगभग 70 वर्षों से एक ही डिजाइन का उपयोग किया जा रहा है। अब सभी अधिकारी और कर्मचारी एक तरह की टोपी पहनेंगे। मुझे उम्मीद है कि इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।''मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलाव टोपी से आगे भी होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''सिर्फ आपकी टोपी नहीं बल्कि आपकी कार्यक्षमता भी बदलनी चाहिए।''

राज्य के गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि आजादी के बाद से पुलिस व्यवस्था में कई सुधार किए गए हैं। परमेश्वर ने बताया कि टोपी के डिजाइन को बदलने के लिए वर्षों से कई मांगें उठी थीं, लेकिन विभिन्न कारणों से यह प्रस्ताव अमल में नहीं आया। परमेश्वर ने कहा, ''मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) ने व्यक्तिगत रूप से नीली टोपी का डिजाइन चुना। विभाग की ओर से मैं उन्हें बधाई देता हूं। आज कर्नाटक पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।''

उन्होंने कहा, ''जैसे ही पुलिसकर्मी नयी टोपी पहनेंगे वे अधिक 'स्मार्ट' और आत्मविश्वास से भरे दिखे। इससे समानता की भावना पैदा हुई है कि अधिकारियों और कांस्टेबल में कोई अंतर नहीं है।''

अदालती आदेश के खिलाफ अपील करेगा कर्नाटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अधिकारियों को सार्वजनिक या सरकारी परिसरों में निजी संगठनों की गतिविधियों को विनियमित करने के राज्य सरकार के आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक के खिलाफ अपील दायर करने का निर्देश दिया है। कांग्रेस सरकार को झटका देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य के हालिया निर्देश पर रोक लगा दी थी।

सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, मैंने अधिकारियों से खंडपीठ के समक्ष अपील दायर करने को कहा है। (उच्च न्यायालय की) धारवाड़ पीठ ने स्थगन आदेश दिया है। हम इस आदेश के खिलाफ अपील करेंगे। सरकार ने 18 अक्टूबर को आदेश जारी किया था, जिसके तहत निजी संगठनों, संघों और समूहों को अपनी गतिविधियों के लिए सरकारी संपत्ति या सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने से पहले अनुमति लेनी होगी। हालांकि सरकारी आदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया है, लेकिन कहा जा रहा है कि आदेश के प्रावधानों का उद्देश्य हिंदू दक्षिणपंथी संगठन की गतिविधियों को प्रभावित करना है, जिसमें उसके पथ संचलन भी शामिल हैं।

यह आदेश हाल ही में मंत्रिमंडल के निर्णय पर आधारित था, जो पंचायत राज मंत्री प्रियंक खरगे द्वारा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को लिखे गए पत्र के बाद लिया गया था, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। विपक्षी भाजपा ने भी सरकार के इस कदम की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि इसका उद्देश्य आरएसएस के कार्यक्रमों और पथ संचलन पर अंकुश लगाना है।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के चुनाव 30 नवंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के चुनाव 30 नवंबर को होंगे। संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुभेंदु घोष ने मंगलवार को यहां यह घोषणा की। रघुराम भट्ट की अगुवाई वाली समिति का कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो गया था और चुनाव की तारीख की घोषणा में देरी से राज्य के क्रिकेट जगत में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी।

केएससीए के सीईओ घोष ने ईमेल के जरिए बताया, जैसा कि 14 अक्टूबर 2025 को हुई हमारी बैठक में तय किया गया था और 25 अक्टूबर 2025 को हुई बैठक में दोहराया गया था, केएससीए के चुनाव रविवार, 30 नवंबर 2025 को होंगे।'' भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद एक पैनल की अगुआई कर रहे हैं जिसमें बीसीसीआई और केएससीए के पूर्व अधिकारी विनय मृत्युंजय जैसे अनुभवी प्रशासक शामिल हैं। इस गुट ने संघ से सोमवार को चुनाव की तारीख बताने को कहा था।

प्रसाद के नेतृत्व वाले पैनल ने अपने कुछ उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने की कोशिश पर सवाल उठाए थे लेकिन केएससीए ने इन दावों को अधिक तवज्जो नहीं दी। बयान में आगे कहा गया कि बीसीसीआई की सदस्यता नहीं खोना अभी संघ की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। बयान के अनुसार, ''हम नियमों का पालन करने वाला संघ बनना चाहते हैं और हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सिर्फ यह पक्का करना है कि हमारे क्रिकेटरों को बीसीसीआई टूर्नामेंट में मौका मिले।'' इसमें कहा गया, ''हमारा मकसद संस्था को लोगों से ऊपर रखना है और यह पक्का करना है कि केएससीए की बीसीसीआई की सदस्यता बनी रहे। यह हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।''

सार्वजनिक स्थानों पर निजी संगठनों की गतिविधियों के लिए अनुमति लेने संबंधी आदेश पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को झटका देते हुए मंगलवार को उसके एक हालिया निर्देश पर रोक लगा दी, जिसमें सरकारी परिसरों में गतिविधियां आयोजित करने के संबंध में निजी संगठनों के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया गया था। हालांकि, सरकारी आदेश में स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का नाम नहीं है, लेकिन कहा जा रहा है कि आदेश के प्रावधानों का उद्देश्य संगठन की पथ संचलन जैसी गतिविधियों को प्रभावित करना है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने निर्देश पर अंतरिम रोक लगा दी और अगली सुनवाई 17 नवंबर के लिए निर्धारित की।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार के आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक के खिलाफ अपील दायर करने का निर्देश दिया है। सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, मैंने अधिकारियों से खंडपीठ के समक्ष अपील दायर करने को कहा है। (उच्च न्यायालय की) धारवाड़ पीठ ने स्थगन आदेश दिया है। हम इस आदेश के खिलाफ अपील करेंगे। सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पुनश्चेतन

सेवा संस्था नामक संगठन द्वारा दायर की गई थी, जिसमें दलील दी गई कि इस निर्णय से नागरिकों के एकत्रित होने और संगठन बनाने के संवैधानिक अधिकारों पर रोक लगी है।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक हरनहल्ली ने दलील दी कि सरकार का निर्देश मौलिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। उन्होंने अदालत को बताया, आदेश में 10 से अधिक लोगों के एकत्र होने के लिए भी अनुमति अनिवार्य कर दी गई है। इससे वैध रूप से एकत्रित होना, यहां तक ङ्कङ्कि सार्वजनिक पार्क में आयोजित होने वाला छोटा सा कार्यक्रम भी, प्रभावी रूप से अपराध बन जाता है। सरकारी वकील द्वारा आपत्तियां दर्ज करने के लिए समय मांगने का उल्लेख करते हुए न्यायाधीश ने कहा, सरकारी आदेश से भारत के संविधान के अनुच्छेद 13(2) का उल्लंघन होने के मद्देनजर, आदेश और इससे सभी परिणामी कार्रवाइयां सुनवाई की अगली तारीख तक स्थगित रहेंगी।

सरकार ने 18 अक्टूबर को यह आदेश जारी किया था, जिसमें निजी संगठनों, संघों और समूहों की गतिविधियों के लिए सरकारी संपत्ति या सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने से तीन दिन पहले अनुमति लेना आवश्यक था। सरकारी परिसर में भूमि, भवन, सड़क, पार्क, खेल का मैदान, जलाशय या स्थानीय प्राधिकारियों या प्रशासनिक विभागों, बोर्ड, निगमों समेत अन्य के स्वामित्व और प्रबंधन वाली कोई भी अचल संपत्ति शामिल है। सरकार के आदेश में कहा गया कि पुलिस आयुक्त या उपायुक्त परमिट जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होंगे। यह आदेश हाल ही में लिए गए मंत्रिमंडल के फैसले पर आधारित था। यह फैसला पंचायती राज और आईटी/बीटी मंत्री प्रियंक खरगे की ओर से सिद्दरामय्या को एक पत्र लिखे जाने के बाद लिया गया था, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी इस कदम की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि इसका उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों पर रोक लगाना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने उच्च न्यायालय के फैसले को कांग्रेस नीत सरकार के लिए एक ''झटका'' तथा उसकी साजिशों पर ''रोक'' बताया।

क्वींस प्रीमियर लीग की ट्रॉफी और जर्सी का हुआ अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केएनएस इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा बहुप्रतीक्षित क्वीन्स प्रीमियर लीग(क्यूपीएल) सीज़न-2 का मुख्य कार्यक्रम 11 नवंबर से कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में शुरू होने जा रहा है। इस क्वींस प्रीमियर लीग (क्यूपीएल) के लिए इस साल के सीज़न की जर्सी और ट्रॉफी का अनावरण किया गया। प्रसिद्ध भारतीय एथलीट और ओलंपियन, पद्मश्री अंजू बॉबी जॉर्ज, एमएलसी डॉ. के. गोविंदराज, क्यूपीएल के संस्थापक महेश गौड़ा और प्रसिद्ध अभिनेता एवं क्यूपीएल के सहसंस्थापक प्रमोद शेट्टी ने प्रतियोगिता की जर्सी और ट्रॉफी का अनावरण किया।

इस सीज़न में, क्यूपीएल में फ्रीस्टाइल डांस और फ़ैशन प्रतियोगिताओं के साथ-साथ 12 अलग-अलग खेल शामिल है। इस लॉन्च कार्यक्रम में 150 से अधिक महिला हस्तियों और टीवी सितारों ने भाग लिया।

टीपू सुल्तान के महल की दीवार पर गैंगस्टर का चित्र मिला, प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबल्लापुर। नंदी हिल्स स्थित टीपू सुल्तान के महल की दीवार पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का जिक्र करते हुए कथित तौर पर कुछ शरारती तत्वों द्वारा भित्तिचित्र बनाने के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र में आता है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार सुबह तब सामने आई जब बेंगलूरु के बाहरी इलाके में स्थित नंदी हिल्स पर आने वाले पर्यटकों ने ऐतिहासिक स्मारक की दीवार पर बिश्नोई का नाम लिखा देखा। यह स्मारक कभी टीपू सुल्तान का ग्रीष्मकालीन महल हुआ करता था। भित्तिचित्र के वीडियो और फोटो जल्द ही सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो गए, जिसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने स्वयं अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के अंतर्गत अतिक्रमण, सार्वजनिक उत्पात और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। इस कृत्य में शामिल अपराधियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि इलाके और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज एकत्र की जा रही है और उनका विश्लेषण कर जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सिद्दरामय्या के मुख्यमंत्री कार्यकाल की कोई समय-सीमा तय नहीं : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि जब सिद्दरामय्या को 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता चुना गया था, तो उनके कार्यकाल के लिए कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई थी। उन्होंने हालांकि कहा कि पार्टी में हर कोई आलाकमान के फैसले का पालन करेगा और उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से इस मुद्दे पर भ्रम की स्थिति को खत्म करने का आग्रह किया। अगले महीने जब कांग्रेस सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंच जाएगी, तो मुख्यमंत्री पद में संभावित बदलाव के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं - इस घटनाक्रम को कुछ लोग नवंबर क्रांति के रूप में संदर्भित कर रहे हैं। परमेश्वर राज्य के समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा से उनके आवास पर मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। दोनों ही सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के प्रमुख दलित नेता हैं। उनकी मुलाकात की प्रकृति के बारे में अटकलों के बीच, दोनों ने स्पष्ट किया कि इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, बल्कि परमेश्वर के नेतृत्व में तुमकुरु में एक सहकारी संस्था के लिए धन पर चर्चा करना था। एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा, मई 2023 के विधानसभा चुनावों में हमारी पार्टी के बहुमत हासिल करने और सत्ता में आने के बाद, सभी विधायकों की एक बैठक में कांग्रेस विधायक दल के नेता (सिद्दरामय्या) का चुनाव किया गया। हमें तब यह नहीं बताया गया था कि सिद्दरामय्या केवल ढाई साल के लिए ही मुख्यमंत्री रहेंगे। उन्होंने कहा कि सिद्दरामय्या को कांग्रेस विधायक दल का नेता घोषित करते समय हाईकमान ने उनके कार्यकाल के लिए कोई

समय सीमा तय नहीं की थी। उन्होंने कहा, उसके बाद से हमें किसी भी घटनाक्रम की जानकारी नहीं है। हमारे विचार से, हमने सिद्दरामय्या को पांच साल के लिए मुख्यमंत्री चुना है। अगर आलाकमान कोई और फैसला लेता है, तो हम उसे स्वीकार करेंगे-हम बस इतना ही कर सकते हैं।

हमने कांग्रेस विधायक दल का नेता चुनते समय कोई समय-सीमा तय नहीं की थी; अगर आलाकमान कुछ और तय करता है, तो यह उन पर निर्भर है। सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा था कि वह कांग्रेस आलाकमान के निर्णय के अधीन पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए पद पर बने रहेंगे। राज्य के राजनीतिक हलकों में, विशेषकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में, सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच संभावित सत्ता-साझाकरण व्यवस्था के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। मंत्री ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में हर किसी का रोजाना बयान देना सही नहीं है, तथा पार्टी के सभी सदस्य आलाकमान के निर्णय का पालन करेंगे। उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या ने भी कहा है कि अगर आलाकमान सहमत हो तो वह पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। आलाकमान को इस भ्रम को खत्म करना चाहिए। वे इससे अवगत हैं। अगर जरूरत पड़ी तो मैं भी उनसे स्पष्टीकरण का अनुरोध करूंगा। नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में दलित मुख्यमंत्री की मांग पर पूछे गए सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा, क्या ऐसी मांग करना गलत है? अगर यह गलत है, तो हमें इसका जवाब देना चाहिए। लोग अपनी राय व्यक्त करते हैं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कई सक्षम नेता मुख्यमंत्री बन सकते हैं, लेकिन स्थिति के आधार पर निर्णय लेना आलाकमान पर निर्भर है। सिद्दरामय्या की उनके 2028 का विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना वाली हालिया टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा, यह उनका (व्यक्तिगत) फैसला है। उन्होंने कल कहा था कि कुछ नेता उन पर चुनाव लड़ने के लिए दबाव बना रहे हैं और वह बाद में फैसला करेंगे।

धनुष को बम से उड़ाने की धमकी, जांच शुरू

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने मंगलवार को कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक को ईमेल मिले हैं जिनमें दावा किया गया है कि अभिनेता रजनीकांत और धनुष के आवासों पर बम रखे गए हैं। चेन्नई के तेनाम्पेट की पुलिस के अनुसार रजनीकांत के घर पर बम की धमकी वाला पहला ईमेल 27 अक्टूबर को सुबह लगभग 8.30 बजे प्राप्त हुआ था। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, जब हमने संपर्क किया तो हमें बताया गया कि उन्हें बम निरोधक दस्ते की सहायता की आवश्यकता नहीं है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: SG/SWR/Proj/ABS/DWR-SUBL दिनांक: 14.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

परियोजना	अनुमानित लागत
हुबली दक्षिण - धारवाड (24 किमी.) के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग कार्य।	रु. 28,15,90,412.11

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 07.11.2025, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें

उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर परियोजना-II/हुबली

PUB/590/AAF/PRB/SWR/2024-25

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: 02-XEN-CWS-MYSS-SW-25-26 दिनांक: 09.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
उप-कार्य-1: मैसूरु कार्यशाला:	रु. 89,68,560/-

बोगी मरम्मत की स्टोर में मौजूदा ढके हुए शेड की मरम्मत। उप-कार्य-2: मैसूरु कार्यशाला: पावर कार रखरखाव शेड में मौजूदा ढके हुए शेड की मरम्मत। उप-कार्य-3: मैसूरु दक्षिण में कार्यशाला लेखा शाखा के कर्मचारी कक्ष में कार्य केंद्र का प्रावधान। उप-कार्य-4: मैसूरु कार्यशाला: मैसूरु दक्षिण में कार्मिक शाखा के कर्मचारी कक्ष में कार्य केंद्र का प्रावधान। (रखरखाव अवधि: पूर्ण होने की तिथि से 03 (तीन) वर्ष।)

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 04.11.2025, 11:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

सहायक कार्यकारी इंजीनियर/केंद्रीय कार्यशाला, मैसूर

PUB/592/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

'चक्रवात मोंथा' : मौसम विभाग ने तमिलनाडु में बंदरगाहों के लिए तूफान की चेतावनी जारी की

चेन्नई। मौसम विभाग ने मंगलवार को 'चक्रवात मोंथा' के आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ने के मद्देनजर तमिलनाडु के बंदरगाहों के लिए तूफान की चेतावनी जारी की। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) की निदेशक बी. अमुधा ने कहा, हमने चेन्नई, एन्नोर और कट्टुपल्ली में बंदरगाहों के अधिकारियों को स्थानीय चेतावनी सिग्नल संख्या-4 फहराने के लिए सूचित किया है।''उन्होंने यह भी कहा कि सिग्नल संख्या-2 की दूरस्थ चेतावनी कुड्डालोर और नागपट्टिनम बंदरगाहों के साथ-साथ पुडुचेरी और कराईकल बंदरगाहों को भी जारी की गई। निदेशक ने कहा, यह चेतावनी तब जारी की जाती है जब समुद्र में चक्रवात आता है और बंदरगाह पर तेज हवाएं चलने की संभावना होती है। यह जहाजों और बंदरगाहों के लिए चेतावनी है ताकि वे अचानक आने वाली तेज हवाओं के विरुद्ध एहतियाती कदम उठाएं और नुकसान को रोकें।

आरएमसी ने मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी है। बुलेटिन में कहा गया है कि बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मोंथा' के कारण सतह पर 90 से 100 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं, जो बढ़कर 110 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। आरएमसी को बारिश के कारण कुछ क्षेत्रों में यातायात प्रभावित होने की आशंका है, इसलिए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार तड़के चेन्नई महानगर निगम कार्यालय में कमांड और नियंत्रण केंद्र का औचक दौरा किया।

एर्णाकुलम-बेंगलूरु वंदे भारत तमिलनाडु के चार कपड़ा केंद्रों पर रुकेगी : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

कोयंबटूर/दक्षिण भारत। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि श्रमिकों और उद्योग के फायदे के लिए एर्णाकुलम-बेंगलूरु वंदे भारत ट्रेन तमिलनाडु के चार कपड़ा केंद्रों पर रुकेगी। उपराष्ट्रपति बनने के बाद शहर की अपनी पहली यात्रा के दौरान राधाकृष्णन ने कहा कि उनके अनुरोध पर रेलवे ने झारखंड के रांची से कोयंबटूर तक दैनिक ट्रेन सेवा संचालित करने की सहमति दे दी है ताकि श्रमिकों का बिना किसी कठिनाई के कार्यस्थल तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा सके।

'कोयंबटूर सिटीजन फोरम' द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा, रेलवे ने मेरे दो अनुरोधों पर सहमति दे दी है। जल्द ही एर्णाकुलम से बेंगलूरु जाने वाली वंदे भारत ट्रेन उद्योग के लाभ के लिए कोयंबटूर, तिरुपुर, इरोड और सेलम के चार कपड़ा केंद्रों पर रुकेगी।

उन्होंने कहा कि यह सेवा जल्द ही शुरू होगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि रांची से कोयंबटूर के लिए दैनिक रेल सेवा भी जल्द ही शुरू हो जाएगी जो श्रमिकों की आरामदायक यात्रा के लिए वरदान साबित होगी। उपराष्ट्रपति ने क्षेत्र में अधिक विकास सुनिश्चित करने के वास्ते यहां हवाई अड्डे का विस्तार बेंगलूरु हवाई अड्डे के समान करने के लिए अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया।

किसानों की मांग पर उन्होंने कहा कि यदि उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाए तो इस क्षेत्र का विकास हो सकता है। उन्होंने कहा, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

तिरुवसल्लूर में भारी बारिश की आशंका, स्कूलों में छुट्टी घोषित

चेन्नई। चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ने के साथ ही तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में मंगलवार को भारी बारिश होने की आशंका है। तिरुवल्लूर जिला आपदा प्रबंधन के अनुसार, मंगलवार सुबह छह बजे तक पिछले 24 घंटों में तिरुवल्लूर के पोन्नेरी और अवादी में क्रमश: 72 मिलीमीटर और 62 मिलीमीटर बारिश हुई। तिरुवल्लूर जिला कलेक्टर एम प्रताप ने भारी बारिश की आशंका के चलते मंगलवार को स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, चेंगलपट्टू, चेन्नई, कांचीपुरम, रानीपेट, तिरुवल्लूर, तिरुवन्नामलाई, वेल्लोर, तिरुपत्तूर, विल्लुपुरम, तेनकासी, तिरुनेलवेली, थूथुकुडी और कन्याकुमारी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। आरएमसी ने मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी है। बुलेटिन में कहा गया है कि बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मोंथा' के कारण सतह पर हवाएं 90 से 100 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंचने की उम्मीद है, जो बढ़कर 110 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में प्रवासी राजस्थानियों की बड़ी भूमिका : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/कोलकाता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि से दूर होने के बावजूद अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक मूल्यों को कायम रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दुनिया भर में रह रहे राजस्थानियों की कर्मभूमि और जन्मभूमि के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन कर रही है। यह दिवस प्रवासी राजस्थानियों की उपलब्धियों का जश्न मनाने और अपनी मातृभूमि के साथ उनके जुड़ाव को गहरा करने के लिए एक समर्पित मंच का काम करेगा। उन्होंने सभी प्रवासी राजस्थानियों को इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आमंत्रण दिया।

शर्मा मंगलवार को कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के आर्थिक विकास में प्रवासी राजस्थानियों का बड़ा योगदान है। मुख्यमंत्री ने पीढ़ी दर पीढ़ी राजस्थान की संस्कृति को संजोए रखने के लिए प्रवासी राजस्थानी समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां राज्य के युवाओं और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्थान फाउंडेशन (आरएफ) के 26 चैप्टर देश के विभिन्न राज्यों और दुनिया के देशों में कार्यरत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गतिशील, निवेशक-अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है और इससे उद्योग, व्यापार एवं बुनियादी ढाँचे के विकास में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन और अन्य उभरते क्षेत्रों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे राजस्थान के विकास में भागीदार बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश के अग्रणी टेक्सटाइल सेंटर के रूप में उभरा है, जहां 1,500 से अधिक फैक्ट्रियां संचालित हैं। राज्य पॉलिएस्टर विस्कोस यार्न, कपास और ऊन का सबसे बड़ा उत्पादक है और कपास उत्पादन में चौथे स्थान पर है। हमारी नई टेक्सटाइल एंड अपेरल पॉलिसी नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लगभग 85 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं और प्रदेश देश में जस्ता, सीसा, चांदी, संगमरमर और बलुआ पत्थर का अग्रणी उत्पादक है। उन्होंने कहा संसद भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक राजस्थान के पत्थर की विरासत अद्वितीय है। राज्य सरकार ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में तेजी लाने के लिए राजस्थान खनिज नीति 2024 और एम-सैंड नीति 2024 भी लागू की है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान की एचपीसीएल रिफाइनरी शीघ्र शुरू होने जा रही है। इसके साथ ही, डाउनस्ट्रीम उद्योगों को बढावा देने के लिए राजस्थान पेट्रो जोन विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा राजस्थान तेजी से भारत का हाइड्रोकार्बन और पेट्रोकेमिकल केंद्र बन रहा है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को राज्य में अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान 34 हजार 555 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि हाल ही में 17 गीगावाट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटित की गई है, जो यह दर्शाता है कि सतत विकास के मामले में राजस्थान अग्रणी स्थान रखता है। शर्मा ने कहा कि पर्यटन राजस्थान की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। यहां वर्ष 2024 में लगभग 2.3 करोड़ पर्यटक आए थे और राज्य सरकार द्वारा पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा दिया गया है। सरकार द्वारा पर्यटन परियोजनाओं में भूमि आवंटन हेतु न्यूनतम निवेश आवश्यकता को 100 करोड़ रूपए से घटाकर 50 करोड़ रूपए कर दिया गया है। सरकार खाटू श्यामजी, नाथद्वारा, पुष्कर, सालासर बालाजी, रणकपुर और माउंट आबू जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों को जोड़ने वाला धार्मिक-पर्यटन सर्किट भी विकसित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान राज्य सरकार ने 35 लाख करोड़ रूपए के निवेश समझौते किए, जिनमें से 7 लाख करोड़ रूपए की परियोजनाओं की नींव रखी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान निवेश और व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और बहुत ही कम समय में 22 नई नीतियां लाागू की गई हैं। विकसित राजस्थान 2047 के विजन के अनुरूप एक समावेशी और प्रगतिशील औद्योगिक ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर नीति, अंतरिक्ष और एयरो डिफेंस नीति, ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर नीति, राजस्थान व्यापार संवर्धन नीति जैसी 12 अन्य नीतियां प्रक्रियाधीन है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स)- 2024 के तहत निवेशकों को ग्रीन डवलपमेंट, निर्यात संवर्धन और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित्तीय प्रोत्साहनों के सबसे आकर्षक पैकेज दिए जा रहे हैं। यह नीति एयरोस्पेस और रक्षा, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, कृषि-तकनीक और वेस्ट रिसाइकलिंग जैसे नए सेक्टर्स को भी कवर करती है। उन्होंने रीको प्रत्यक्ष भूमि आवंटन नीति की जानकारी देते हुए कहा कि इसके तहत राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने वाले निवेशकों को बिना नीलामी प्रक्रिया के आरक्षित दरों पर औद्योगिक भूखंड दिए जा रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में इस योजना के तहत 1,200 से अधिक निवेशक लाभान्वित हुए हैं।

निजी कंपनियों के माध्यम से भेजी रिश्वत की रकम, अधिकारी सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दो निजी कंपनियों के माध्यम से रिश्वत की रकम भेजे जाने से जुड़े एक भ्रष्टाचार के एक मामले में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी, उनकी पत्नी और एक सहकर्मी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसीबी द्वारा 17 अक्टूबर को दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार 'राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लिमिटेड' के संयुक्त निदेशक प्रद्युमन दीक्षित और उप निदेशक राकेश कुमार कमलेश पर 'फर्जी' अनुबंध के जरिए रिश्वत राशि का भुगतान कराने का आरोप लगाया गया है।

प्राथमिकी में कहा गया है कि दीक्षित की पत्नी पूनम पांडे को ऐसे काम के लिए भुगतान मिला जो कभी किया ही नहीं गया। आरोप है कि इस 'फर्जी काम' की आड़ में कथित तौर पर दो निजी कंपनी 'ऑरियनप्रो' और 'ट्राइएजिन सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड' के माध्यम से रिश्वत की रकम उनके बैंक खाते में भेजी गई। दीक्षित पर अपनी पत्नी की दो निजी कंपनियों में नियुक्ति कराने में मदद करने का भी आरोप है, जबकि उन्होंने वास्तव में वहां कोई काम नहीं किया। 'राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लिमिटेड', सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधीन एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी है जो केंद्र सरकार के उपक्रम 'एनआईसीएसआई' के माध्यम से कर्मचारियों की व्यवस्था करती है।

एनआईसीएसआई निजी कंपनियों से कर्मचारियों की नियुक्ति कराती है, जबकि 'राजकॉम्प' यह तय करता है कि किन कंपनियों से कर्मचारी लिए जाएं। प्राथमिकी में आरोप है कि दीक्षित ने 'ऑरियनप्रो' कंपनी से कर्मचारियों की भर्ती में मदद के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया और अपनी पत्नी की फर्जी नियुक्ति के बदले फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया।

आरोप है कि 'ऑरियनप्रो' कंपनी ने अप्रैल 2019 से पांडे के खाते में नियमित रूप से राशि अंतरित की, जबकि पांडे ने कभी कार्यालय में कार्य नहीं किया। इसमें कहा गया कि स्वयं दीक्षित ने उनकी उपस्थिति रिकॉर्ड में कथित रूप से हेराफेरी की क्योंकि वह कार्यालय नहीं जाती थीं। एसीबी के अनुसार, पांडे के खाते में कुल मिलाकर कम से कम 50 लाख रुपये अंतरित किए गए। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अधिवक्ता टी. एन. शर्मा द्वारा दायर याचिका पर जुलाई में इस मामले की प्रारंभिक जांच के आदेश दिए थे। जांच में अब तक सामने आईं अनियमितताएं में पांडे की असत्यापित उपस्थिति, कार्य निष्पादन रिकॉर्ड में गड़बड़ी, और 'ऑरियनप्रो' तथा ट्राइएज़िन सॉफ्टवेयर में उनकी कथित नियुक्ति शामिल हैं। प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के आधार पर एसीबी ने 17 अक्टूबर को दीक्षित, उनकी पत्नी पांडे और कमलेश के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

प्राथमिकी के अनुसार, दीक्षित और कमलेश पर फर्जी रोजगार रिकॉर्ड तैयार करने और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग करने के लिए संबंधित कंपनी के साथ मिलीभगत का आरोप है। आरोप यह भी है कि इन कंपनियों ने कार्य आदेश जारी करने और सरकारी ठेकों को सुगम बनाने में दीक्षित के प्रभाव के बदले पांडे के खाते में बड़ी रकम अंतरित की गई।

पुष्कर मेले में 23 करोड़ रुपये का भैंसा और 15 करोड़ रुपये का घोड़ा बने आकर्षण के केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर। राजस्थान के पुष्कर में आयोजित किए जा रहे वार्षिक पशु मेले में 15 करोड़ रुपये का घोड़ा और 23 करोड़ रुपये का भैंसा लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पुष्कर का यह मेला भारत के प्रमुख पशु मेलों में से एक माना जाता है जहां पशुपालक न केवल उत्कृष्ट नस्लों के पशु लेकर पहुंचते हैं, बल्कि इनमें से कई पशुओं की कीमत भी रिकॉर्ड तोड़ होती है। राजस्थान पर्यटन विभाग के अनुसार, आधिकारिक रूप से पुष्कर मेला 30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक आयोजित किया जाएगा।

चंडीगढ़ के गैरी गिल की घुड़साल के ढाई साल के घोड़े 'शाहबाज' को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। गिल ने बताया, शाहबाज कई शो जीत चुका है और यह एक प्रतिष्ठित वंश से है। इसकी 'कवरिंग फीस' दो लाख रुपये है और हम इसके 15 करोड़ रुपये मांग रहे हैं।

'कवरिंग फीस' किसी मादा पशु से प्रजनन के लिए नर पशु के मालिक को दी जाने वाली राशि होती है। उन्होंने बताया कि मारवाड़ी नस्ल के इस घोड़े के लिए उन्हें पहले ही नौ करोड़ रुपये तक के प्रस्ताव मिल चुके हैं। इस बार पशु मेले का एक और बड़ा आकर्षण 1500 किलोग्राम वजनी भैंसा 'अनमोल' है, जिसकी कीमत 23 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसके मालिक पलमिंद्र गिल ने कहा कि उन्होंने 'अनमोल' को राजाओं की तरह पाला है।

उन्होंने कहा, उसे हर दिन दूध, देसी घी और सूखे मेवे खिलाए जाते हैं। इस सूची में उज्जैन का भैंसा 'राणा' भी शामिल है, जिसकी कीमत 25 लाख रुपये बताई जा रही है और इसका वजन लगभग 600 किलोग्राम है। कहा जाता है कि यह भैंसा हर दिन करीब 1,500 रुपये की खुराक खाता है, जिसमें बेसन, अंडे, तेल, दूध, घी और लीवर टॉनिक शामिल हैं। मेले में मौजूद एक अनुभवी मारवाड़ी घोड़े 'बादल' के मालिक का दावा है कि वह अब तक 285 प्रजनन करा चुका है और घोड़े की 11 करोड़ रुपये तक की बोली लग चुकी है।

वहीं बगरू (जयपुर) के अभिनव तिवारी इस मेले में विभिन्न नस्लों की 15 से अधिक गायें लेकर आए हैं, जिनमें से एक गाय का कद मात्र 16 इंच है। इसे मेले की सबसे छोटी गायों में से एक माना जा रहा है। अजमेर ग्रामीण के पुलिस उपाधीक्षक रामचंद्र चौधरी ने बताया कि इस साल पुष्कर मेले में पिछले वर्षों की तुलना में अधिक पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के उपाय भी किए गए हैं।

चौधरी ने बताया, मेले के दौरान 2,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। सभी अधिकारियों को पूरी जानकारी दे दी गई है ताकि दर्शकों को कोई असुविधा न हो। मेला सात नवंबर तक जारी रहेगा। अब तक 4,300 से अधिक पशुओं का पंजीकरण हो चुका है, जिनमें 3,028 घोड़े और 1,306 ऊंट शामिल हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि पशुपालन विभाग ने व्यापार के लिए आने वाले हजारों पशुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुष्कर मेले में निगरानी बढ़ा दी है। विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील घिया ने बताया कि व्यापारियों और चरवाहों द्वारा मेले में पशुओं को लाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रास्तों पर विशेष चौकियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा, प्रत्येक पशु का पंजीकरण किया जाएगा, पशु चिकित्सकों द्वारा जांच की जाएगी और प्रवेश से पहले टैग लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी सावधानियां जरूरी हैं क्योंकि पशुओं के समूह से संक्रामक रोग फैलने का खतरा अधिक रहता है।

बिजली के तारों के संपर्क में आकर बस में आग लगी, दो व्यक्तियों की मौत, दस झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिले के मनोहरपुर इलाके में मंगलवार को निजी स्लीपर बस में बिजली के तारों के संपर्क में आने के बाद आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। बस में 50 से ज़्यादा मजदूर सवार थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल सिंह ने बताया कि बस उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से मजदूरों को लेकर मनोहरपुर स्थित एक ईंट भट्टा जा रही थी। बस की छत पर मोटरसाइकिल, साइकिल सहित दूसरा घरेलू सामान रखा था।

उन्होंने बताया कि मनोहरपुर के एक गांव के पास कच्चे रास्ते से गुजरते समय बस की छत पर रखा सामान हाईटेंशन लाइन को छू गया जिसके बाद बस में आग लग गई। बस में रसोई गैस के सिलेंडर भी रखे हुए थे। आग लगने के बाद कुछ मजदूर बस से कूद गए। बाद में आग बुझा दी गई। घायलों को शाहपुरा के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से छह को झुलसने की वजह से जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि कुछ का शाहपुरा में प्राथमिक उपचार किया गया। सिंह ने बताया कि घरेलू सामान में गैस सिलेंडर भी शामिल थे। जयपुर के जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि इस घटना में दो गैस सिलेंडर में आग लग गई। उन्होंने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि दो मजदूर बस से उतरे और ड्राइवर को तारों के नीचे से धीरे-धीरे बस निकालने के लिए इशारा कर रहे थे लेकिन बस की छत पर रखा सामान तारों को छू गया। बाद में आग बुझाई गई और घायलों को शाहपुरा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से छह लोगों को झुलसे होने के कारण जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। कुछ का शाहपुरा में प्राथमिक उपचार किया गया।

जयपुर की संभागीय आयुक्त पूनम ने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है कि बस में सिलेंडर और बाइक जैसी चीजें कैसे ले जाई जा रही थीं। उन्होंने कहा कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने हादसे में जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया। शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, जयपुर के मनोहरपुर में हुई बस दुर्घटना में जनहानि का समाचार अत्यंत दुखद है। संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार का निर्देश दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री प्रेम चंद बैरवा ने कहा कि घटना की जांच करवाई जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया है। राजस्थान में जैसलमेर बस हादसे के बाद एक पखवाड़े के भीतर अपनी तरह का यह दूसरा हादसा है। 14 अक्टूबर को जैसलमेर से जोधपुर जा रही निजी स्लीपर बस में आग लगने से कई लोगों की जान चली गई थी। जैसलमेर बस अग्निकांड में आग लगने का कारण 'शॉर्ट सर्किट' माना गया था। आज जिस बस में आग लगी, उसकी अंदरूनी संरचना में बदलाव किए गए थे ताकि उसमें अधिक से अधिक यात्री सवार हो सकें। उसमें कोई आपातकालीन निकास द्वार नहीं था। परिवहन मंत्री बैरवा ने कहा कि विभाग ने राज्य में अवैध रूप से 'परिवर्तित' की गई बसों के खिलाफ अभियान पहले ही शुरू कर दिया है।

राजस्थान में अनेक जगह भारी से अति भारी बारिश, तापमान गिरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चक्रवात 'मोंथा' और एक परिसंचरण तंत्र के असर से राजस्थान के अनेक भागों में बीते चौबीस घंटे में भारी से अति भारी बारिश हुई है। बारिश की वजह से तापमान में गिरावट भी दर्ज की गई है। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार इस समय बंगाल की खाड़ी में एक तीव्र चक्रवाती तूफान मोंथा आंध्र प्रदेश तट के पास बना हुआ है। एक अवदाब मध्य अरब सागर की खाड़ी में तथा परिसंचरण तंत्र उत्तर-पूर्वी राजस्थान व आसपास क्षेत्र के ऊपर स्थित है। इसके चलते पिछले 24 घंटों में दक्षिणी व पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी व अति भारी बारिश दर्ज हुई है। सर्वाधिक 130 मिलीमीटर बारिश नैनवा, बूंदी में दर्ज की गई है। राजधानी जयपुर में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन बादल छाए रहे। मौसम में इस बदलाव से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है।

मौसम केंद्र के अनुसार उदयपुर, कोटा संभाग व आसपास के जिलों में आज भी कहीं-कहीं भारी बारिश व अजमेर, जयपुर और भरतपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में बादलों की गरज के साथ हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है। राज्य में भारी बारिश की गतिविधियों में 29 अक्टूबर से वृद्धि होगी, हालांकि दक्षिणी व दक्षिण-पूर्वी भागों में आगामी 4-5 दिन हल्की मध्यम बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में आगामी 4-5 दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं एक और नया पश्चिमी विक्षोभ तीन नवंबर को पुनः सक्रिय होने से पश्चिमी व पूर्वी भागों में हल्की-मध्यम बारिश हो सकती है।

पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी में शामिल छह और जालसाजों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान पुलिस ने केंद्र और राज्य सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं में हेरफेर कर करोड़ों रुपये का वित्तीय नुकसान पहुंचाने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंड़ाफोड़ करते हुए कई राज्यों से इस गिरोह में शामिल छह और लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को दिल्ली, पंजाब और राजस्थान के जयपुर, भरतपुर व जोधपुर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि राजस्थान के दौसा और फलौदी से दो सरकारी कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया।

अधिकारी के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां झालावाड़ पुलिस द्वारा पिछले सप्ताह सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में साइबर धोखाधड़ी पर नकेल कसने के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन शटर डाउन' के तहत की गईं। झालावाड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित कुमार ने बताया कि जांच में एक बेहद संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ, जिसने पीएम-किसान सम्मान निधि, जन आधार, राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन और आपदा प्रबंधन योजनाओं सहित कई पोर्टल तक अनधिकृत पहुंच प्राप्त की हुई थी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बड़ी मात्रा में संदिग्ध लाभार्थियों का डेटा और डिजिटल उपकरण जब्त किए।

कुमार के अनुसार, इससे पहले की गई छापेमारी में 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया था और 53 लाख रुपये नकद, नोट गिनने वाली मशीनें, हजारों चेक बुक, पासबुक, एटीएम कार्ड, 35 लैपटॉप, 70 मोबाइल फोन, 11,000 संदिग्ध बैंक खातों का विवरण और महंगी गाड़ियां बरामद की गई थीं। कुमार ने बताया कि लगभग एक करोड़ रुपये जमा राशि वाले लगभग 11,000 बैंक खातों से वित्तीय लेन-देन पर रोक लगा दी गई है।

हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने अदालत ले जाते समय 'जुलूस' निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। राजस्थान के पाली जिले में पुलिस ने हत्या के मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बाद उसने आरोपियों को अदालत ले जाते समय 'जुलूस' निकाला। पुलिस के अनुसार पाली के आंबेडकर नगर इलाके में चार लोगों ने 32 वर्षीय जितेंद्र मेघवाल पर चाकू से हमला किया था जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उसने बताया कि मेघवाल की 26 अक्टूबर को जोधपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। पाली के पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि आरोपी महेंद्र सिंह और प्रकाश को 26 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था, जबकि धीरज को 28 अक्टूबर को पकड़ा गया। आरोपी बजरंग अभी फरार है। पुलिस की एक टीम ने आज आंबेडकर चौराहे से स्थानीय अदालत तक तीनों आरोपियों का 'जुलूस' निकाला। आरोपियों को हथकड़ी लगी थी और एक व्यक्ति ढोल बजाते हुए पुलिस टीम के आगे चल रहा था। इस 'जुलूस' ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और स्थानीय लोगों ने पुलिस की कड़ी कार्रवाई का समर्थन किया।

अधिकारी ने कहा, हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक अभी भी फरार है। हम उसे जल्द ही पकड़ लेंगे। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, अपराध के बाद हत्यारों को शरण देने या उनकी मदद करने वालों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। सिद्धू ने कहा कि पुलिस, आरोपियों की अवैध संपत्तियां जब्त करने के लिए अदालत में अर्जी देगी। आरोपियों का 'जुलूस' निकाले जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि यह अपराधिक तत्वों के लिए स्पष्ट संदेश है कि अगर वे समाज में भय फैलाने का प्रयास करेंगे।

नवजात बच्चे को यात्री बस में छोड़कर जोड़ा गायब, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में मंगलवार को एक अज्ञात जोड़ा नवजात बालक को यात्री बस में लावारिस हालत में छोड़कर गायब हो गया जिसके बाद पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

छोटी ग्वालटोली पुलिस थाने के प्रभारी संजू कांबले ने बताया कि अज्ञात जोड़े ने सरवटे बस स्टैंड पर करीब 15 दिन के बालक को एक यात्री बस में लावारिस हालत में छोड़ा और चुपचाप इस वाहन से नीचे उतर गए। उन्होंने बताया, ''बस के चालक और परिचालक की सूचना पर हमने बच्चे को सुरक्षित बचाया। उसे स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल भेजा जाएगा।'' थाना प्रभारी ने बताया कि बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को इस मामले की सूचना दी जा रही है और नवजात बालक को लावारिस हालत में यात्री बस में छोड़ने वाले जोड़े की तलाश जारी है।

भारतीय विरासत में सिख गुरुओं का अविस्मरणीय योगदान रहा : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि भारत की सनातन विरासत में सिख गुरुओं ने अविस्मरणीय योगदान दिया है। लखनऊ में 'चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा' के तहत पहुंचने पर पवित्र 'जोड़ा साहिब' का भव्य स्वागत किया गया।

यह यात्रा सिख समुदाय की आस्था का एक प्रतीक है जो दसवें सिख गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर के पूजनीय 'जोड़ा साहिब' (चरण पादुका) से जुड़ी है, जिन्हें सिख भक्ति के सबसे पवित्र प्रतीकों में से एक माना जाता है। इस कार्यक्रम के दौरान, आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को न केवल आस्था, बल्कि सेवा, त्याग और राष्ट्र रक्षा के आदर्श भी प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस आध्यात्मिक विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा को पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। एक बयान के मुताबिक लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारे में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवाणी सुनी और यात्रा में शामिल सदस्यों के सिर पर पगड़ी बांधकर उन्हें सम्मानित किया। गुरुद्वारा कमेटी ने अंग वस्त्र व स्मृति चि भेंट करके मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा,''हमारी परंपरा में यह कहा गया है, ''जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे।'' अर्थात जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान रामराज्य की तरह पवित्र और पुण्यभूमि बन जाता है।'' उन्होंने कहा कि यह यात्रा हमें उस गौरवशाली गुरु परंपरा से जोड़ती है, जिसने भारत की संस्कृति, साहस और बलिदान की भावना को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शुरू हुई है। यह केवल श्रद्धा की यात्रा नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देने वाली यात्रा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ढाई सौ वर्षों से गुरु महाराज की पावन चरण पादुकाएं, जो पहले अखंड भारत के हिस्से पाकिस्तान में थीं, अब पटना साहिब में स्थापित की जा रही हैं। दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है।

बंगाल में व्यक्ति की आत्महत्या के बाद

ममता ने भाजपा पर एनआरसी को लेकर डर फैलाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर 24 परगना जिले में एक व्यक्ति की कथित आत्महत्या पर मंगलवार को दुख जताया। बताया जाता है कि व्यक्ति ने सुसाइड नोट में अपनी मौत के लिए एनआरसी को जिम्मेदार ठहराया है।

बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी के 57 वर्षीय प्रदीप कर ने आत्महत्या कर ली है और एक पत्र छोड़ा है जिसमें लिखा है, एनआरसी मेरी मौत के लिए जिम्मेदार है। पुलिस ने बताया कि कर मंगलवार को पानीहाटी स्थित अपने घर में फंदे से लटके मिले। भाजपा की भय और विभाजन की राजनीति की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय नागरिक पंजी को लेकर पार्टी के अभियान ने लोगों में दहशत पैदा कर दी है। बनर्जी ने पोस्ट में कहा, यह सोचकर मैं अंदर तक हिल जाती हूं कि कैसे भाजपा ने वर्षों से एनआरसी के डर से निर्दोष नागरिकों को परेशान किया है, झूठ फैलाया है, दहशत फैलाई है और वोट के लिए असुरक्षा को हथियार बनाया है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने संवैधानिक लोकतंत्र को भय का रंगमंच बना दिया है और कहा कि दुखद मौत विषैले दुष्प्रचार का परिणाम है।

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम में आईईडी विस्फोट में लड़की की मौत

चाईबासा/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में मंगलवार को कथित तौर पर माओवादियों द्वारा लगाए गए एक संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) के फटने से 10 साल की एक आदिवासी लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मनोहरपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) जयदीप लाकड़ा ने बताया कि लड़की तिलापोसी जंगल में सियाल के पत्ते तोड़ने गई थी, तभी उसका पैर गलती से माओवादियों द्वारा कथित तौर पर जमीन के अंदर लगाए गए आईईडी पर पड़ गया। लाकड़ा ने कहा, माओवादियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए आईईडी लगाया था, लेकिन दुर्भाग्यवश मासूम लड़की अनजाने में आईईडी पर खड़ी हो गई, जिसके कारण विस्फोट हो गया और मंगलवार सुबह उसकी मौके पर ही मौत हो गई...। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे माओवादी हिंसा के पीड़ितों के लिए प्रावधान के अनुसार पीड़ित परिवार को मुआवजा देने के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखेंगे।

वाराणसी की देव दीपावली में दिखेगी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की झलक : जयवीर सिंह

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को कहा कि वाराणसी की देव दीपावली में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखाई देगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि देव दीपावली के अवसर पर जब पूरी काशी गंगा तट पर दीयों की रोशनी में नहाएगी, तब शहर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की झलक प्रस्तुत करेगा।

इसमें कहा, ''इस बार की देव दीपावली में वाराणसी के घाट केवल धार्मिक आस्था से ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता से भी आलोकित होंगे। गंगा किनारे जगमगाते लाखों दीप देश की विविध परंपराओं का जीवंत चित्र बनेंगे।'' बयान के अनुसार, हर घाट अपनी विशिष्ट पहचान के साथ अलग-अलग संस्कृति का रंग बिखेरेगा, कहीं मराठी परंपरा झलकेगी, कहीं दक्षिण भारत की रीतियां, कहीं मैथिल ब्राह्मणों द्वारा दीपों की साज-सज्जा होगी, तो कहीं गुजराती रंगोली व थालियों की सजावट आकर्षण का केंद्र बनेगी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि काशी की यह देव दीपावली वैश्विक स्तर पर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करती दिखाई देगी, और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए यह एक अनोखा अनुभव बनेगी।

बिहार में कानून-व्यवस्था ध्वस्त, राजग सरकार को कोई परवाह नहीं : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सारण/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी प्रसाद यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है।

सारण जिले में एक के बाद एक आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन को सत्ता में लाया जाए। उन्होंने मढ़ौरा में आयोजित रैली में दावा किया, सारण में हर दिन हत्या, लूट, अपहरण और डकैती की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इसकी कोई चिंता नहीं वे कभी पीड़ित परिवारों से मिलने भी नहीं जाते। यह सरकार की घोर असंवेदनशीलता है।

यादव ने लोगों से 'इंडिया' गठबंधन को वोट देने की अपील की। विपक्ष गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार ने दोहराया कि अगर सत्ता में आए तो राज्य के प्रत्येक परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

तरैया विधानसभा क्षेत्र की रैली में यादव ने कहा, बिहार की जनता बेरोजगारी और महंगाई से परेशान है। वे ऐसी सरकार चाहते हैं जो 'पढ़ाई, दवाई, कमाई और सिंचाई' की व्यवस्था करे।

IANS

चक्रवात 'मोंथा' से पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश होगी : आईएमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि गंभीर चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कारण 31 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश होगी।

आईएमडी ने एक विशेष बुलेटिन में कहा कि वर्तमान में बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य में स्थित मोंथा उत्तर-उत्तरपश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा उसके मंगलवार रात तक आंध्र प्रदेश में काकीनाडा के पास पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग ने मछुआरों को बृहस्पतिवार तक पश्चिम बंगाल तट के आसपास समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है।

मौसम विभाग ने बताया कि इस मौसम तंत्र के कारण मंगलवार से शुक्रवार के बीच दक्षिण बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम, पुरुलिया, पूर्व और पश्चिम बर्धमान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने बताया कि उप-हिमालयी जिलों दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में एक या दो स्थानों पर शुक्रवार को बहुत भारी वर्षा (7 से 20 सेमी) होने का अनुमान है।

आईएमडी ने कहा कि भीषण चक्रवाती तूफान के बृहस्पतिवार तक निम्न दबाव के क्षेत्र में तब्दील होने के बाद धीरे-धीरे कमजोर होने की संभावना है। इसके कारण बृहस्पतिवार और शुक्रवार को मालदा, उत्तर तथा दक्षिण दिनाजपुर समेत उत्तर बंगाल के सभी जिलों में भारी बारिश (7 से 12 सेमी) होगी।

चंपई सोरेन ने चाईबासा में आदिवासियों पर लाठीचार्ज की आलोचना की

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने चाईबासा शहर में आदिवासियों पर पुलिस लाठीचार्ज की मंगलवार को आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि आदिवासी सोमवार को झारखंड के परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ के आवास का घेराव करने गए थे और यह मांग कर रहे थे कि लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-220 और एनएच-75ई पर दिन के समय भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए।

चंपई सोरेन ने कहा कि आदिवासी समुदाय के लोग परिवहन मंत्री से गुहार लगाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने सोमवार रात उन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। इससे पहले, पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन ने सोमवार रात आठ बजे से परिवहन मंत्री के आवास के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी थी। सामाजिक कार्यकर्ता रमेश बालमुचू और उनके सहयोगियों ने चाईबासा में बिरुआ के आवास का घेराव करने की धमकी दी थी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बिरुआ के आवास के घेराव के दौरान पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया जबकि 17 अन्य लापता हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने चाईबासा में आदिवासियों-मूलवासियों की आवाज दबाने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया।

'मोदी-नीतीश सरकार' ने युवाओं की आकांक्षाओं का गला घोंटा, बिहार को गर्त में धकेला: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में शिक्षा, रोजगार और मानव विकास की स्थिति का उल्लेख करते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि ''मोदी-नीतीश सरकार'' ने युवाओं की आकांक्षाओं का गला घोंट दिया है तथा प्रदेश को हर पैमाने पर गर्त में धकेल दिया है। उन्होंने दिल्ली में पढ़ाई कर रहे बिहार के कुछ युवाओं के साथ संवाद का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कुछ दिनों पहले बिहार के युवाओं से बहुत दिलचस्प बातचीत हुई, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार हर मुद्दे पर। इन सबकी दुर्दशा के लिए सिर्फ एक गुनहगार है, भाजपा-जद(यू) सरकार।'' उन्होंने दावा किया, ''बिहार के युवा बखूबी जानते हैं कि पिछले 20 वर्षों में किस तरह मोदी-नीतीश सरकार ने उनकी आकांक्षाओं का गला घोंटा है, प्रदेश को लावारिस छोड़ दिया है और हर पैमाने पर गर्त में धकेल दिया है।'' राहुल गांधी ने बिहार में शिक्षा की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा, ''कक्षा 9-10 में 'ड्रॉपआउट' के मामले में बिहार का 29 राज्यों में 27वां स्थान है। कक्षा 1112 में प्रवेश की दर के मामले में 28वां स्थान है तथा महिला साक्षरता के मामले में 28वां स्थान है।''

कांग्रेस नेता ने रोजगार की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि सेवा क्षेत्र में रोजगार को लेकर बिहार का 29 राज्यों में 21वां स्थान है तथा उद्योग/उत्पादन क्षेत्र में रोजगार के मामले में 23वां स्थान है।

राहुल गांधी ने दावा किया कि शिशु मृत्यु दर के मामले में बिहार का 27वां स्थान है, बीमा योजना से स्वास्थ्य सुरक्षा के मामले में 29वां स्थान है और घर में शौचालय की सुविधा के मामले में 29वां स्थान है।

कांग्रेस नेता ने बिहार में मानव विकास की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के मामले में राज्य का 27वां स्थान है जबकि प्रति व्यक्ति आय के मामले में उसका स्थान 25वां है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आईना हैं - 'रियर व्यू मिरर' दिखा रहा है कि 'डबल इंजन' (सरकार) बिहार को प्रगति से कितना पीछे खींच लाई है।''

राहुल गांधी ने कहा, ''जितने भी बिहारी युवाओं से मिला हूं, सभी बेहद होनहार हैं, समझदार हैं। अपनी काबिलियत और मेहनत के बल पर हर जगह चमक सकते हैं, पर सरकार ने उन्हें अवसरों की जगह सिर्फ बेरोज़गारी और निराशा दी है।''

उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''अब वक्त बदलाव का है, बिहार का स्वाभिमान फिर जगाने का वक्त है। महागठबंधन का न्याय संकल्प दोहराने का वक्त है।'' बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में छह नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होना है। मतगणना 14 नवंबर को होगी।

बिहार में सरकार बनी तो वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाएंगे: महागठबंधन

पटना/भाषा। महागठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जारी अपने संयुक्त घोषणापत्र में वादा किया है कि उसकी सरकार बनने पर राज्य में वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर रोक लगाई जाएगी।

विपक्षी गठबंधन ने मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी किया जिसे 'तेजस्वी प्रण' नाम दिया गया है।

इस घोषणापत्र में कहा गया है, ''सभी अल्पसंख्यक समुदायों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जाएगी। वक्फ संशोधन विधेयक (कानून) पर रोक लगाई जाएगी और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पारदर्शी बनाते हुए इसे समुदाय के लिए अधिक कल्याणकारी और उपयोगी बनाया जाएगा।''

महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने 26 अक्टूबर को भी कहा था कि गठबंधन के सत्ता में आने पर इस वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा।

संसद ने विपक्ष के कड़े विरोध के बीच इस साल अप्रैल में वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी दी थी जो अब कानून बन चुका है।

चक्रवात 'मोंथा' प्रभावितों के लिए 2,000 से अधिक आपदा राहत केंद्र खोले गए: माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार चक्रवात 'मोंथा' से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है और इस भीषण चक्रवाती तूफान से प्रभावित होने वाले लोगों के लिए आठ दक्षिणी जिलों में 2,000 से अधिक आपदा राहत केंद्र खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि 11,396 लोगों को राज्य सरकार द्वारा खोले गए 2,048 आपदा राहत केंद्रों में स्थानांतरित किया गया है।

माझी ने एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य सरकार की तैयारियों की समीक्षा के बाद यह बात कही। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी, मुख्य सचिव मनोज आहूजा, पुलिस महानिदेशक वाई बी खुरानिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

माझी ने कहा, आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, 'मोंथा' तूफान आंध्र प्रदेश में दस्तक देगा और ओडिशा पर इसका निश्चित रूप से असर पड़ेगा। राज्य में अत्यधिक भारी वर्षा होगी और अपेक्षाकृत कम तीव्र हवा चलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जानमान के शून्य नुकसान के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति, गंजाम, नबरंगपुर, कालाहांडी और कंधमाल जैसे आठ जिलों के संवेदनशील स्थानों पर निचले इलाकों और पहाड़ी इलाकों से लोगों को निकालने का काम अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि इन जिलों में अत्यधिक भारी बारिश होगी, जिससे राहत की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिन्हित 2,693 गर्भवती महिलाओं में से 1,871 मां बनने वाली हैं, जिन्हें अब तक अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया है तथा गर्भावस्था के अंतिम चरण वाली 822 महिलाओं के एक अन्य समूह को मंगलवार शाम तक स्वास्थ्य केंद्र में लाया जाएगा।

माझी ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रभावित होने की आशंका वाले जिलों में 153 बचाव दल तैनात करके अपनी तैयारियों को और पुख्ता कर दिया है। एनडीआरएफ (5 टीम), ओडीआरएएफ (30 टीम) और अग्निशमन सेवा (123 टीम) के 6,000 से अधिक प्रशिक्षित और कुशल कर्मी पहले ही विभिन्न जिलों में तैनात हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने किसी भी आपात स्थिति के लिए और भी बचाव दल तैयार रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटकों को देवमाली और महेंद्रगिरि पहाड़ियों जैसे स्थलों पर प्रवेश से रोक दिया गया है तथा समुद्र के विभिन्न तटों पर लोगों के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि चक्रवात की स्थिति के मद्देनजर नौ जिलों में स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र 30 अक्टूबर तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य सरकार ने केंद्र से कोई सहायता मांगी है, माझी ने कहा, केंद्र ने जरूरत पड़ने पर हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

मायके गई अपनी पत्नी के न आने से क्षुब्ध युवक ने फांसी लगाई

बलिया (उप्र)/भाषा। जिले के उभाव थाना क्षेत्र के जिउतपुरा गांव में 30 वर्षीय युवक ने मायके गई अपनी पत्नी के न आने से क्षुब्ध होकर कथित रूप से फांसी लगा ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, राहुल यादव (30 वर्ष) ने सोमवार देर रात अपने घर के समीप एक पेड़ में गमछा से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने मंगलवार को तड़के उसे फंदे पर लटके देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी । थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने मंगलवार को बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक राहुल सीतापुर में कार्यरत पीएसी के जवान कोमल यादव का ज्येष्ठ पुत्र है। राहुल ने दो शादियाँ की है। उसने पहली शादी टूटने के बाद उसने पांच महीने पहले दूसरी शादी की थी। राहुल की पत्नी अपने मायके में है। उन्होंने परिजनों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि राहुल अपनी पत्नी को विदाई कराकर घर ले आना चाहता था, लेकिन वह आ नहीं रही थी। पत्नी के इनकार से क्षुब्ध होकर उसने यह कदम उठाया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मेरी प्रेरणा फिट और भारतीय टीम के लिए उपलब्ध रहना: शमी

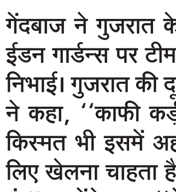

कोलकाता/भाषा। सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने मंगलवार को कहा कि वह 'फिट' हैं और भारतीय टीम में वापसी के लिए 'तैयार' हैं। उन्होंने सत्र के पहले दो रणजी ट्रॉफी मैच में शानदार प्रदर्शन करके वापसी का अपना मजबूत दावा पेश किया। बंगाल के इस तेज गेंदबाज ने गुजरात के खिलाफ मैच में आठ विकेट लिए और ईडन गार्डन्स पर टीम की 141 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। गुजरात की दूसरी पारी में पांच विकेट लेने के बाद शमी ने कहा, ''काफी कड़ी मेहनत की है और मेरा मानना है कि किस्मत भी इसमें अहम भूमिका निभाती है। हर कोई देश के लिए खेलना चाहता है। इसलिए मैं (फिर से) इसके लिए तैयार हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरी प्रेरणा फिट और भारतीय टीम के लिए हर समय उपलब्ध रहना है। मैदान पर मैं अच्छा प्रदर्शन करता रहूंगा और बाकी चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है।''

कोहली और रोहित के खेल का जश्न मनाए प्रशंसक: डिविलियर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के आलोचकों को 'कॉकरोच' करार देते हुए कहा कि यह दोनों सुपरस्टार विशिष्ट प्रतिभा की एक पीढ़ीगत जोड़ी हैं और क्रिकेट प्रशंसकों को उनके शानदार करियर के बाकी बचे पलों का जश्न मनाना चाहिए।

पिछले कुछ महीनों से कड़ी आलोचना का सामना कर रहे कोहली और रोहित दोनों ने टेस्ट क्रिकेट और टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था, लेकिन हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में हुई एकदिवसीय शृंखला के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की, जिसमें भारत 1-2 से हार गया। कोहली और रोहित का यह ऑस्ट्रेलिया का संभवत: आखिरी दौरा था जिसके अंतिम मैच में कोहली ने नाबाद 74 और रोहित ने नाबाद 121 रन बनाए। रोहित ने दूसरे मैच में 73 रन बनाए थे और उन्हें शृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

डिविलियर्स ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, ''रोहित ने एक और शतक लगाया जबकि कोहली ने भी रन बनाए। मैं उनके आगे की रणनीति का इंतजार कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं ईमानदारी से कह रहा हूं कि अगर आप क्रिकेट के प्रशंसक हैं तो इन जैसे खिलाड़ियों का जश्न मनाने का यही सही समय है। ऐसे खिलाड़ी अक्सर हमारे सामने नहीं आते। यह प्रतिभा की पीढ़ीगत जोड़ी है और हमारे लिए यह जरूरी है कि हम इनका जश्न मनाएं और उनके खेल का भरपूर आनंद लें।'' डिविलियर्स ने कोहली और रोहित के आलोचकों के प्रति बेहद सख्त रवैया अपनाया। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि लोगों में ऐसा क्या है। मैं नहीं जानता कि मैं इस तरह के लोगों को इंसान कह भी सकता हूं या नहीं। जैसे ही खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर पहुंचते हैं यह कॉकरोच अपने बिलों से बाहर निकलने लगते हैं। आखिर क्यों।'' दक्षिण अफ्रीका के इस दिग्गज ने कहा, ''आप उन खिलाड़ियों पर नकारात्मक ऊर्जा क्यों डालना चाहते हैं जिन्होंने सचमुच अपने देश और क्रिकेट के इस खूबसूरत खेल के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया है? यह उनका जश्न मनाने का सही समय है। पिछले कुछ महीनो में उनकी काफी आलोचना हुई है। हर कोई उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश कर रहा है और मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों किया जा रहा है।''

बेंगलूरु | बुधवार | 29-10-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

जीवन में सबसे बड़ा जोखिम है, कभी भी अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश न करना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यूनुस की मंशा क्या है?

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने आग से खेलने का शौक पाल लिया है! उन्होंने जिस तरह पाकिस्तानी फौज के जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को बांग्लादेश के गलत नक्शे वाली एक किताब भेंट की, उससे असल मंशा का पता चलता है। ये नोबेल पुरस्कार विजेता जो संकेत दे रहे हैं, वे बांग्लादेश के लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकते हैं। उक्त किताब के कवर पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है। हमें याद रहना चाहिए कि यह मंशा सिर्फ यूनुस की नहीं है। पहले, जब बांग्लादेश 'पूर्वी पाकिस्तान' की शक्ल में पाकिस्तान का हिस्सा हुआ करता था, तब उसकी फौज, सरकार और कट्टरपंथियों की यही मंशा थी। आज यूनुस उसे खुलकर उजागर कर रहे हैं। बांग्लादेश को आज़ाद करवाने के लिए भारतीय सैनिकों और नागरिकों ने बहुत बड़ा योगदान दिया था। भारतवासियों के त्याग और बलिदान के बिना बांग्लादेश का निर्माण असंभव था। वह भारतीय सेना ही थी, जिसने पाकिस्तानी फौज की बर्बरता को रोका था। अगर भारतीय सैनिकों ने उस समय पूर्वी पाकिस्तानियों को उनके हाल पर छोड़ दिया होता तो आज यूनुस अंतरिम सरकार के मुखिया न होते। वे जो नक्शा दिखा रहे हैं, उसके पीछे गहरी साजिश है। वे चाहते हैं कि ऐसी हरकतें जारी रखें, जिनसे भारत असहज महसूस करे। इसके लिए यूनुस पाकिस्तान और कट्टरपंथियों की मदद ले रहे हैं। अब सवाल है– इस साजिश को अंजाम देने के लिए यूनुस क्या कर सकते हैं? बांग्लादेश सैन्य शक्ति से तो कुछ कर नहीं सकता, क्योंकि भारतीय सेना जवाबी कार्रवाई में ऐसी मरम्मत करेगी कि होश ठिकाने आ जाएंगे। तो बांग्लादेश के पास कौनसा अस्त्र है?

वास्तव में बांग्लादेश के पास छोटे–मोटे कई अस्त्र हैं, जिन्हें हमें गंभीरता से समझना चाहिए। वह अपनी जमीन पर आईएसआई और पाकिस्तानी कट्टरपंथियों को पनपने तथा संचालन करने का मौका दे सकता है। वह घुसपैठियों को भारत में भेजकर उन इलाकों में बसने के निर्देश दे सकता है, जिन पर उसकी ललचाई नजर है। भारत में पहले ही कई बांग्लादेशी घुसपैठिए मौजूद हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई की बात होती है तो कुछ कथित बुद्धिजीवी अड़ंगा डालने के लिए तुरंत प्रकट हो जाते हैं। भारत सरकार को घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्हें पकड़ना और स्वदेश भेज देना ही काफी नहीं है। जब तक कठोर दंड नहीं मिलेगा, घुसपैठ का सिलसिला नहीं रुकेगा। पूर्व में ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जब किसी घुसपैठिए को कानूनी प्रक्रिया के तहत निकाला गया, लेकिन वह कुछ महीने बाद दोबारा आ गया था! घुसपैठियों को ऐसा सबक मिलना चाहिए कि वे सपने में भी भारत में घुसपैठ करने का दुस्साहस न कर पाएं। जिन घुसपैठियों ने फर्जीवाड़ा कर मतदाता सूची में नाम जुड़वा लिया, उनके नाम काटे जाएं। इसके अलावा, जिन घुसपैठियों ने गलत तरीके से राशन कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट और दूसरे दस्तावेज बनवा लिए, उन्हें निरस्त करना चाहिए। पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकी आतंकवाद का खतरा बढ़ा सकती है। इसके साथ ही नकली मुद्रा की चुनौती बढ़ सकती है। आईएसआई भारत की नकली मुद्रा छापकर आतंकवादियों और अलगाववादियों की फंडिंग करती है। वह ड्रग्स की तस्करी के लिए नेटवर्क भी बनाती है। भारत को इन गतिविधियों में लिप्त तत्त्वों पर कड़ी नजर रखते हुए उनके नेटवर्क को नष्ट करना होगा। इन खतरों के प्रति सजग रहते हुए अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा करनी होगी, ताकि कोई साजिश सफल न हो पाए।

ट्वीटर टॉक

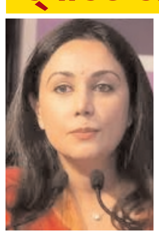

आज राजस्थान के माननीय राज्यपाल आदरणीय श्री हरीभाऊ बागड़े जी से स्नेहिल शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी विषयों पर सार्थक चर्चा कर उनका प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्राप्त किया।

–दिया कुमारी

टोडी गांव, मनोहरपुर, जयपुर, बस में लगी आग की दुखद घटना ने मन को गहराई से व्यथित किया है। इस हादसे में घायल हुए सभी यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ एवं हादसे में जान गवाने वाले यात्रियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

–मदन दिलावर

विश्वभर में अपनी प्रतिभा के साथ राजस्थान का परचम लहराने वाले हमारे परिश्रमी प्रवासी भाई–बहनों ने सदैव प्रदेश के समग्र विकास और सामाजिक उत्थान में योगदान दिया है। आप सभी की सक्रिय भूमिका विकसित राजस्थान के निर्माण में नई ऊर्जा का संचार करेगी।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

विद्वता और विनम्रता

फ्रांस में नोके नामक संत, तपस्वी और विद्वान थे। वहां के राजा चार्ल्स उनकी विद्वता और गुणों के बहुत कायल थे और उन्हें सम्मानित कर अपने दरबार में लाना चाहते थे। लेकिन जब नोके इसके लिए तैयार नहीं हुए, तो राजा स्वयं उनके मठ में पहुंच गए। राजा और नोके के बीच अब धर्म के साथ–साथ कई अन्य विषयों पर भी वार्तालाप हुई। राजा ने उनसे कुछ राजनीतिक विषयों पर भी सलाह ली। राजा के दरबारियों को यह सब अच्छा नहीं लगा। मुख्य सलाहकार तो क्रोध से नोके का अपमान करने को तैयार हो गया। अगले दिन, जब नोके राजा और अन्य संभ्रांत नागरिकों के साथ चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तो वह सलाहकार क्रोधित होकर अंदर आया और नोके के पास जाकर अपशब्द कहे, 'तुम बड़े विद्वान और ईश्वर के निकट माने जाते हो। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि ईश्वर इस समय क्या कर रहे हैं?' संत ने तुरंत मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'पुत्र, इस समय पृथ्वी पर जो दीन हैं, उन्हें उन्नत कर रहे हैं और जो अहंकारी हैं, उन्हें नीच बना रहे हैं।' संत की मधुर वाणी में संयमित जवाब सुनकर उस अहंकारी सलाहकार का सारा घमंड चूर–चूर हो गया।

सामयिक

गोपाष्टमी का उद्देश्य गौ प्रेम, गौ संरक्षण और गौ संवर्द्धन

अशोक प्रवृद्ध

मोबाइल :7631057837

षोडश कलायुक्त योगीश्वर श्रीकृष्ण के गौ प्रेमी रूप से सभी परिचित हैं। श्रीकृष्ण से संबंधित अनेक पौराणिक कथाएं व प्रसंग उनके गौ प्रेम, गौ संरक्षक, गौ संवर्द्धक रूप को प्रदर्शित करती हैं। गौ माता की महता, आवश्यकता व उपयोगिता को रेखांकित करती हैं, और कहती हैं कि श्रीकृष्ण ने गौ और गोपालकों के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। गौ माता की रक्षा करने के कारण ही श्रीकृष्ण का गोविन्द नाम पड़ा। श्रीकृष्ण का यह नाम कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को मनाई जाने वाली गोवर्द्धन पूजा से संबंधित है। कथा के अनुसार अपनी पूजा बंद कर दिए जाने से कुपित इंद्र ने ब्रज में जलप्रलय ला दिया, तो श्रीकृष्ण ने कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से सप्तमी तक ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्द्धन पर्वत को धारण कर लिया, और ब्रज के गो, गोप और गोपिनियों को बचाया। पराजित होकर इंद्र आठवें दिन श्रीकृष्ण की शरण में आये और अहंकार रहित होकर उनसे संधि कर ली। इंद्र के कामधेनु ने श्रीकृष्ण का अभिषेक किया और उसी दिन से श्रीकृष्ण का नाम गोविन्द पड़ा। उसी समय से कार्तिक शुक्ल अष्टमी को गोपाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन गौ रक्षा का संकल्प लिया जाता है, गो से संबंधित भांति–भांति के आयोजन किये जाते हैं, विविध समारोहों के मध्य विधि–विधान पूर्वक बछड़े सहित गाय का पूजन किया जाता है।

मान्यतानुसार कार्तिक शुक्ल अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने गौचारण लीला आरंभ की थी। कथा के अनुसार श्रीकृष्ण जब छः वर्ष के हुए, तो उन्होंने एक दिन माता यशोदा से अपने बड़े होने की घोषणा करते हुए कहा कि अब हम बछड़े चराने नहीं जायेंगे, बल्कि गाय चराने जायेंगे। बालक श्रीकृष्ण के मुख से यह सुन माता यशोदा ने ठुनकते हुए कहा कि ठीक है बाबा से पूछ लेना। माता के मुख से यह निकलते ही श्रीकृष्ण बाबा नंद से गाय चराने के लिए अनुमति लेने पहुंच गए। श्रीकृष्ण की बात सुन नंद ने उनके अभी छोटे होने से बछड़े चराने के लिए कहा, तो श्रीकृष्ण अपनी बाल सुलभ जिद्द पर अड़े रहे, और कहा कि अब मैं बछड़े नहीं, बल्कि गाय ही चराऊंगा। श्रीकृष्ण के बहुत अनुनय– विनय के बाद नंद बाबा इस बात पर सहमत हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण से कहा कि ठीक है, पहले तुम गोचारण का मुहूर्त देखने के लिए विद्वान पंडित को बुला लाओ। श्रीकृष्ण उसी समय पंडितजी के घर पहुंच गए और कहा कि बाबा ने आपको गौचारण का मुहूर्त देखने के लिए बुलाया है। बाबा के पूछने पर आप आज ही का मुहूर्त बता देना मैं आपको बहुत सारा माखन दूंगा। ब्राह्मण महोदय नंद गृह पहुंचे और बार–बार पंचांग देख कर गौचारण मुहूर्त का गणना करने लगे। यह देख नंद ने पंडित जी से पूछा कि आप बार–बार यह क्या गिन रहे हैं? इस पर पंडित ने कहा– क्या बताएं? सभी गणनाओं में केवल आज का ही मुहूर्त निकल रहा है, इसके बाद तो एक वर्ष तक कोई मुहूर्त ही नहीं है। पंडित की यह बात सुन कर नंद ने श्रीकृष्ण को गौ चारण की स्वीकृति दे दी। वह शुभ तिथि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष अष्टमी की थी। श्रीकृष्ण ने उसी दिन से गौ चारण आरंभ किया। श्रीकृष्ण के गौचारण आरम्भ करने के कारण अष्टमी की यह तिथि गोपाष्टमी कहलाई।

श्रीकृष्ण के गौचारण प्रारंभ की कथा के अनुसार गौ चारण के लिए जाने के समय माता यशोदा ने अपने लल्ला का श्रृंगार किया और जुते पहनाने लगी तो श्रीकृष्ण ने मना करते हुए कहा कि मैय्या यदि मेरी गौएं जूतियां नहीं पहनती तो में कैसे पहन सकता हूं। यदि पहना सकती हो तो उन सभी को भी जूतियां पहना दो। कहा जाता है कि श्रीकृष्ण जब तक वृन्दावन में रहे, उन्होंने कभी पैरों में जूतियां नहीं पहनी। आगे–आगे गाय और उनके पीछे बांसुरी बजाते श्रीकृष्ण उनके पीछे बलराम और श्रीकृष्ण के यश का गान करते हुए ग्वाल–गोपाल इस प्रकार से विहार करते हुए श्रीकृष्ण ने उस वन में प्रवेश किया तब से श्रीकृष्ण की गौचारण लीला का आरंभ हुआ। श्रीकृष्ण के गौएं चराते हुए वृन्दावन जाते समय उनके चरणों से वृन्दावन की भूमि अत्यन्त पावन हो जाती, वह वन गौओं के लिए हरी–भरी घास से युक्त एवं रंग–बिरंगे पुष्पों की खान बन गया था।

उल्लेखनीय है कि गौ का तात्पर्य गौ माता के साथ ही इंद्रियों और चंद्रमा भी से है। गोवर्धन का तात्पर्य गौ माता के गोबर से है। गौ माता का गोबर एवं मूत्र अत्यंत मूल्यवान होता है। गौ माता आनंद की देने वाली होती है। गौमाता दूध प्रदान करती है, जो अमृत के समान होता है। गौ दूध निरोग बनाता है। गौ माता का घृत पुष्ट एवं बलवान बनाता है। गौमाता को धेनु भी कहा जाता है। धेनु अर्थात धन की वर्षा करने वाली। गौ माता के गोबर, मूत्र, घी तथा बछड़े पैदा करके फसल उत्पन्न करने से देश की संपदा तथा उन्नति में वृद्धि करने में सहायता मिलती है। गाय से प्राप्त होने वाली गोबर एक प्रकार का धन है, जो फसल और वनस्पति को उत्पन्न करने, फल– फूल प्रदान करने में अति सहायक है। इसलिए गायों का पालन –पोषण, परिवर्द्धन, संवर्द्धन, संरक्षण करना मनुष्य का प्रथम पावन व राष्ट्रीय उत्तरदायित्व बन जाता है। गायों का भिन्न –भिन्न प्रकार से संवर्द्धन, परिवर्द्धन, संरक्षण करना ही गोवर्धन है। गाय की वृद्धि करनी ही वास्तव में यज्ञ, हवन है। श्रीकृष्ण का पालन– पोषण नौ लाख गाय के स्वामी नंद बाबा के घर में हुआ था, और वे स्वयं आजीवन गौ व गोपालक के संरक्षक बने रहे। उल्लेखनीय है कि नंद उसे कहते हैं, जिसके पास कम से कम नौ लाख गाय होती हो। नंद के पास नौ लाख गायें थी, जिसकी वे सेवा– सुश्रुषा किया करते थे। इसीलिए उन्हें नंद की उपाधि मिली थी। श्रीकृष्ण स्वयं महान गौ भक्त थे। वाल्मीकि रामायण में महाराजा जनक के राज्य में गोमेध यज्ञ अर्थात याग अनेक बार आयोजित किए जाने के विवरण अंकित हैं।

राजा जनक को देव पूजन की प्रेरणा गोमेध याग से ही प्राप्त हुई थी। महर्षि पिप्पलाद के आश्रम में गोमेध याग अनेक बार संपन्न किये जाने की कथा मिलती है। ऋषि आश्रमों में भी गोपालन किया जाता था। वशिष्ठ मुनि और माता अरुंधति के द्वार पर भी कामधेनु थी। कामधेनु अर्थात जो मानव की कामनाओं की पूर्ति कर दे। वशिष्ठ को यह गौ कामधेनु इंद्र से प्राप्त हुई है। परमात्मा की उपासना से यह कामधेनु प्राप्त हुई थी, वह मन की कामनाओं की पूर्ति करने वाली थी। प्राचीन काल से ही गौ नामक विद्या भी प्रचलित है। गौ नाम पशुओं का भी होता है। मन की कामनाओं की पूर्ति करने वाली विद्या योग विद्या कहलाती है। उसको कामधेनु कहते हैं। ध्यातव्य है कि मनुष्य का मन बछड़े की भांति चंचल होता है। गौ नाम आत्मा का है, और उसका पुत्रवत बछड़ा मन है। मन अर्थात मन रूपी बछड़े को मार कर अर्थात उस पर नियंत्रण करके कोई भी कार्य करना उत्तम माना गया है। गोवर्धन का दार्शनिक रूप, आध्यात्मिक रूप मन का नियंत्रण ही है। गौ चंद्रमा को भी कहते हैं। चंद्रमा की आभा, कांति और शीतलता अत्यंत शुद्ध होती है। चंद्रमा की इसी कांति में लगभग 101 व्याहृतियां होती हैं, और यह जहां– जहां गमन करती हैं, जिस –जिस तत्व पर, जिस धातु पर पड़ती हैं, उन स्थान, तत्वों, धातुओं को वह कांति दायक बनाती है। इससे ही विष, स्वर्ण आदि बनते हैं।

चंद्रमा को गौतम भी कहते हैं। क्योंकि यह अंधकार को शीतलता पूर्वक हरने वाली होती है, अथवा दूर करने वाली होती है। वह शीतलता और अमृत प्रदान करता है। बच्चे के माता के गर्भस्थल में प्रविष्ट रहने के समय माता के निचले विभाग में एक त्रिधित नाम की नाड़ी होती है, उसके द्वारा चंद्रमा की कांति नाड़ियों में रमण करती हुई प्राणोमय कोष में जाती हैं। माता के द्वारा बालक को मिलने वाली प्राण सत्ता में मिश्रित हो करके उस बालक को अमृत प्रदान करती है। वस्तुतः यह श्रीकृष्ण सरीखे सोलह कलाओं के मर्मज्ञ योगीश्वर महापुरुष के वश की ही बात है कि अपने जीवन चरित से गौ के इन तीन स्वरूपों – गोवर्धन स्वरूप गौ संरक्षण की शिक्षा, योगाधिपति शिव सम इन्द्रिय व मन पर नियंत्रण का योग और मनुष्यों में चंद्रमा सी आभा, कांति व शीतलता उत्पन्न करने की प्रेरणा जगा सके।

मंथन

बिहार में फिर गूंजा परिवारवाद का शंखनाद

बाल मुकुन्द ओझा

बिहार में परिवारवाद का भूत एक बार फिर हिलोरे लेने लगा है। राज्य की चुनावी सियासत इन दिनों परिवार और परिवारवाद के इर्द–गिर्द घूम रही है। राजनीतिक पार्टियों में परिवारवाद पर सियासी संग्राम छिड़ गया है। एक दूसरे पर परिवारवादी होने के आरोप जड़े जाने लगे हैं। साथ ही स्वयं को पाक साफ़ बताकर दूसरों पर दोषारोपण किया जा रहा है। कई राजनीतिक विश्लेषक परिवारवाद और वंशवाद की परिभाषा अलग अलग बताते है। इन लोगों की मान्यता के अनुसार यदि संघर्ष के रास्ते कोई भाई अपनी जगह सियासत में बनाकर आता है तो उसे परिवारवाद का दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। वहीं दूसरे पक्ष के विश्लेषक मानते है कि परिवार के सहारे आगे बढ़ना अनुचित है। भारत के लोकतंत्र को समझने वाले लोगो का एक दृष्टिकोण ये भी है की इस देश में वंशवाद और राजशाही को लोकतंत्र का जामा ओढ़ाया गया है। राजशाही के जमाने में और लोकतंत्र में फर्क सिर्फ इतना है कि तब राजा ही अपने बेटे को उत्तराधिकारी घोषित करता था अब वो जनता से घोषित करवाता है। बहरहाल आम जनता की नजर में परिवारवाद और वंशवाद में कोई ज्यादा फर्क नहीं है। लोकतंत्र के लिए यह हितकारी नहीं है।

विधानसभा चुनाव में 42 उम्मीदवार ऐसे हैं, जिनके परिवारवाले पहले सांसद या विधायक रह चुके हैं। सबसे चौंकाने वाली चर्चा पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा की हो रही है। जीतन राम मांझी ने अपने हिस्से की छह में से पांच सीटों पर बहू, समधन, दामाद, भतीजे को चुनावी मैदान में उतार दिया है। परिवारवाद की खिलाफत करने वाली भाजपा के 101 में से 11 उम्मीदवार किसी न किसी राजनीतिक परिवार से जुड़े हैं। जेडीयू ने 101 सीटों में से 5 पर परिवारवादी उम्मीदवार उतारे हैं। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी ने 29 में से 8 टिकट अपने परिवार या करीबी रिश्तों वालों को दिए हैं। महागठबंधन में सबसे ज्यादा परिवारवाद का असर राजद में नजर आ रहा है। लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव तो पहले से सक्रिय हैं, लेकिन इस बार पार्टी ने करीब 10 ऐसे उम्मीदवार उतारे हैं जो किसी न किसी राजनीतिक परिवार से आते हैं।

बिहार में परिवारवाद को लेकर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के मुताबिक , बिहार में कुल 27 प्रतिशत मौजूदा सांसद–विधायक वंशवादी पृष्ठभूमि से आते हैं। यानी लगभग हर चौथा जनप्रतिनिधि किसी राजनीतिक घराने से है। देशभर के 5,203 सांसदों और विधायकों में 1,106 (21 प्रतिशत) परिवारवाद से जुड़े हैं। इस सूची में बिहार तीसरे स्थान पर है। बिहार में 360 मौजूदा सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों में से 96 (27 प्रतिशत) वंशवादी पृष्ठभूमि से हैं। बिहार विधानसभा के मौजूदा जनप्रतिनिधियों में 27 प्रतिशतवंशवादी हैं। वहीं, 40 लोकसभा सांसदों में से 15 सांसद (37.5 प्रतिशत) और राज्यसभा में 16 में से 1 सांसद राजनीतिक परिवार से आते हैं। यह डाटा साबित करता है कि टिकट बांटते समय नेताओं को कार्यकर्ताओं से ज्यादा परिवार के सदस्यों की याद आती है।

चुनाव आते ही नेताओं के बेटा बेटी और रिश्तेदार सत्ता में संभावित बंटवारे के लिए सक्रीय हो जाते है। इसके लिए पार्टी की टिकट जरुरी है। यही टिकट उन्हें अपने परिवार के सहारे सत्ता की सीढ़ियों तक पहुँचाने का काम करती है। बिहार विधानसभा चुनाव की दुंदुभी बज चुकी है। प्रधान मंत्री सहित सभी पार्टियों के नेताओं का चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। इस प्रदेश में परिवारवाद महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बन चुका है। सभी पार्टियां परिवारवाद की धमक से उबल रही है। एनडीए हो या इंडिया उर्फ़ महागठबंधन कोई भी परिवारवाद से अछूता नहीं है।

सभी सियासी पार्टिया एक–दूसरे पर परिवारवाद के बहाने हमला भी कर रहे हैं, लेकिन खास बात यह है कि शायद ही कोई राजनीतिक दल इससे अछूता है। बिहार की राजनीति में परिवारवाद की जड़ें बहुत गहरी हो चुकी हैं। आरजेडी, भाजपा, लोक जनशक्ति, जेडी यू, हम और कांग्रेस पार्टी आदि सभी दलों में परिवारवाद का बोलबाला है। भारत का लोकतंत्र भी अजब निराला है। मतदाता चाह कर भी जाति और क्षेत्र की राजनीति के भंवर से आजादी के 78 वर्षों के बाद भी निकल नहीं पाए है। लोकतंत्र ने आज पूरी तरह परिवारतंत्र का जामा पहन लिया है। बड़े बड़े आदर्शों की बात करने वाले नेता परिवारमुखी होगये है। देश वंशवाद से कब मुक्त होगा यह बताने वाला कोई नहीं है। इस गंभीर और संक्रामक बीमारी का इलाज केवल देश का मतदाता ही कर सकता है।

नजरिया

विज्ञान का ज्ञान : राष्ट्र विकास के आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

मनुष्य का विकास केवल भौतिक उन्नति से नहीं, बल्कि उसकी चेतना, संवेदना और ज्ञान से मापा जाता है। जिस राष्ट्र के नागरिक विचारशील, शिक्षित, संवेदनशील और जिज्ञासु होते हैं, वही राष्ट्र स्थायी प्रगति की ओर अग्रसर होता है। ज्ञान केवल सूचना का संचय नहीं, बल्कि उसका विवेकपूर्ण उपयोग है, और जब ज्ञान में प्रेम, करुणा और मानवीयता का समावेश होता है, तभी वह राष्ट्र के विकास का आधार स्तंभ बनता है। प्रेम और ज्ञान – दोनों मनुष्य के जीवन के दो ऐसे अमूल्य तत्व हैं जो एक–दूसरे के पूरक हैं। ज्ञान मनुष्य को विवेक देता है, जबकि प्रेम उसे मानवीय बनाता है। बिना ज्ञान के प्रेम अंधा होता है और बिना प्रेम के ज्ञान निष्ठुर। इन दोनों के संतुलन से ही जीवन, समाज और राष्ट्र में सौंदर्य, स्थिरता और समरसता का निर्माण होता है।

गांधीजी ने कहा था – जहाँ प्रेम है, वहाँ जीवन है। उनका जीवन ज्ञान और प्रेम का अद्भुत संगम था। उन्होंने सत्य और अहिंसा को जीवन का मूलमंत्र बनाया और इन सिद्धांतों के माध्यम से समूची मानवता को यह संदेश दिया कि हिंसा और घृणा से नहीं, बल्कि प्रेम और समझदारी से परिवर्तन लाया जा सकता है। उनके शब्द – पाप से घृणा करो, पापी से नहीं – यह बताते हैं कि प्रेम और ज्ञान का संयोजन ही आत्मा की सच्ची जागृति है। उन्होंने अपने प्रेम से जनता के हृदय जीत लिए और अपने ज्ञान से ब्रिटिश साम्राज्य को झुकने पर मजबूर कर दिया। इसी तरह भगवान बुद्ध का जीवन ज्ञान और करुणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा – घृणा कभी घृणा से नहीं मिटती, घृणा केवल प्रेम से मिटती है। यह कथन न केवल आध्यात्मिक सत्य है, बल्कि सामाजिक नीति का भी मूल सिद्धांत है। बुद्ध ने अपने गहन ज्ञान और अथाह प्रेम से अंगुलिमाल जैसे हिंसक डाकू का भी हृदय परिवर्तन कर उसे मानवता का दूत बना दिया था। ईसा मसीह ने जब सूली पर चढ़ते हुए कहा – हे प्रभु, इन्हें क्षमा कर देना, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं, तब उन्होंने मानवता के सामने यह प्रदर्शित किया कि सच्चा ज्ञान वही है जो प्रेम से ओतप्रोत हो। इस प्रेममय ज्ञान ने ही ईसा को इतिहास का अमर प्रतीक बना दिया। भारतीय संस्कृति में भी ज्ञान और प्रेम का यह समन्वय हर युग में देखा गया है। भगवान श्रीराम ने जब शबरी के जूठे बेर प्रेमपूर्वक खाए, तो वह केवल एक भक्ति–भावना नहीं थी, बल्कि यह दर्शाता था कि ज्ञान और प्रेम में कोई भेद नहीं है। प्रेम ही ज्ञान का सर्वोच्च रूप है। दूसरी ओर रावण जैसे महान ज्ञानी ने प्रेम और करुणा से रहित ज्ञान का उपयोग अहंकार और विध्वंस में किया और परिणामस्वरूप अपने कुल का नाश कर दिया। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि ज्ञान यदि प्रेमविहीन हो, तो वह विनाशकारी शक्ति बन जाता है। आधुनिक युग में तकनीकी क्रांति ने ज्ञान के असीम द्वार खोल दिए हैं। आज मानव के पास सूचना का महासागर है, परंतु यदि उसमें मानवीयता और करुणा का भाव न हो, तो वही सूचना विनाश का कारण बन सकती है। परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या जैव प्रौद्योगिकी – ये सभी ज्ञान की उपलब्धियाँ हैं, लेकिन यदि इनका उपयोग प्रेम, नैतिकता और मानव कल्याण के दृष्टिकोण से न किया जाए, तो ये मानवता के लिए संकट बन सकती हैं। इसलिए आज के समय में यह और भी आवश्यक है कि हम ज्ञान को केवल उपयोगिता के स्तर पर न देखें, बल्कि उसे संवेदना और जिम्मेदारी के साथ जोड़ें।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूजा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी पत्नी कौशल्या देवी साय के साथ कुनकुरी में 'छठ पूजा' उत्सव के दौरान अनुष्ठान में भाग लेते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अमेरिका: भारतीय नागरिक पर उड़ान में दो किशोरों पर चाकू से वार करने का आरोप; मामला दर्ज

न्यूयॉर्क/भाषा। शिकागो से जर्मनी जा रही एक उड़ान में 28 वर्षीय एक भारतीय ने कांटे वाले चम्मच से दो किशोरों पर कथित तौर पर वार किया और एक सह-यात्री को थप्पड़ मारा। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मैसाचुसेट्स जिला के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह घटना शनिवार को लुफ्थांसा की एक उड़ान में हुई, जिसे घटना के बाद बोस्टन लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा ले जाना पड़ा। घटना के सिलसिले में दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, प्रणीत कुमार उसिरिपल्ली ने 17 वर्षीय एक किशोर यात्री के कंधे पर धातु के कांटा (फोर्क) से वार किया तथा फिर 17 वर्षीय एक और यात्री के सिर के पिछले हिस्से पर उसी चम्मच से वार किया, जिससे उसके सिर में चोट आई। उसिरिपल्ली पर, अमेरिका के विशेष हवाई क्षेत्राधिकार में विमान यात्रा करते समय एक खतरनाक हथियार के जरिये जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के इरादे से हमला करने का आरोप लगाया गया है। उसे 25 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था और बाद में बोस्टन में संघीय अदालत में पेश किया जाएगा।

अभिवादन

डेनमार्क की महारानी मैरी (बीच में), उनके ठीक पीछे राजा फ्रेडरिक दशम और राजा के पीछे लातविया के राष्ट्रपति एडगर्स रिंकेविक्स मंगलवार को लातविया के रीगा में इंडिपेंडेंस स्टेला स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद स्थानीय नागरिकों का अभिवादन करते हुए।

ट्रंप ने जापान की नई प्रधानमंत्री की प्रशंसा की, अमेरिका को 'सबसे मजबूत सहयोगी' बताया

टोक्यो/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार से अपनी व्यस्त एशिया यात्रा की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मुलाकात की और दोनों देशों को ''सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी'' करार दिया। वह जापानी प्रधानमंत्री को अमेरिकी विमानवाहक पोत पर भी ले गए जहां उन्होंने अमेरिकी सैनिकों से बातचीत की। ट्रंप एशिया में अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में शामिल जापान की यात्रा कर रहे हैं, फिर भी उनकी यात्रा के दौरान कई बातों को लेकर अनिश्चितता की स्थिति है।

कुछ ही दिन पहले देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची को अपने देश के आर्थिक हितों की रक्षा करते हुए ट्रंप के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने होंगे।

ट्रंप एक व्यापार समझौते के तहत 550 अरब अमेरिकी डॉलर का जापानी निवेश हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने मंगलवार को ताकाइची मुलाकात की और उनसे हाथ मिलाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ताकाइची की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत मजबूती से हाथ मिलाया। ताकाइची ने बताया कि जापान अगले साल अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वाशिंगटन को चेरी के 250 पेड़ देगा और चार जुलाई के इस समारोह के लिए अकिता प्रांत से आतिशबाजी भी करेगा। उन्होंने अपनी शुरुआती टिप्पणियों में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री और अपने गुरु शिंजो आबे का जिक्र किया जिन्होंने ट्रंप के साथ अच्छे रिश्ते बनाए थे। ताकाइची ने कहा, 'दरअसल (पूर्व) प्रधानमंत्री आबे मुझे आपकी बेहतरीन कूटनीति के बारे में अक्सर बताते थे।'' ट्रंप ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका को ''बड़ी बात'' बताया और जापान के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। ट्रंप ने कहा, ''हम जापान की मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। हम सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी हैं।'' दोनों नेताओं ने अपने राष्ट्रों के गठबंधन के ''स्वर्णिम युग'' के कार्यान्वयन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद ट्रंप और ताकाइची ने एक अन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई।

उप्र : भाजपा पदाधिकारी ने परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

अयोध्या/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थानीय इकाई के एक पदाधिकारी ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) में एक शिकायत दर्ज कर अभिनेता परेश रावल अभिनीत आगामी फिल्म 'द ताज स्टोरी' पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है और दावा किया है कि यह फिल्म उच्च न्यायालय में दायर उनकी एक याचिका के विषय पर आधारित है।

भाजपा की अयोध्या इकाई के प्रवक्ता रजनीश सिंह ने अक्टूबर 2022 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में एक याचिका दायर की थी, जिसमें ताजमहल के अंदर के 22 बंद कमरों को खोलने की मांग करते हुए यह दावा किया गया था कि स्मारक मूल रूप से एक मंदिर था। सोमवार को सूचना और प्रसारण मंत्रालय और सीबीएफसी को अपनी शिकायत में, सिंह ने कहा, मैंने ताजमहल के 22 बंद कमरों को खोलने के लिए एक जनहित याचिका दायर की थी। उक्त याचिका में मेरा उद्देश्य केवल ऐतिहासिक तथ्यों की पारदर्शिता और सत्यापन सुनिश्चित करना था। मुझे पता चला है कि फिल्म 'द ताज स्टोरी' मेरी याचिका के विषय पर आधारित है।

उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म के पोस्टर, प्रचार सामग्री और कहानी में, न्यायिक विषय वस्तु, याचिका का संदर्भ, और संबंधित विवरण मेरी अनुमति के बिना और भ्रामक तरीके से प्रस्तुत किए गए हैं। यह मेरे बौद्धिक और कानूनी अधिकारों का उल्लंघन है। किसी न्यायिक मामले का व्यावसायिक उपयोग भी अनुचित है। सिंह ने कहा, ऐसी फ़िल्म की स्क्रीनिंग न केवल न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, बल्कि सामाजिक और धार्मिक भावनाओं में अनावश्यक तनाव भी पैदा कर सकती है। भाजपा नेता ने सेंसर प्रक्रिया और 'द ताज स्टोरी' की सार्वजनिक रिलीज पर तत्काल रोक की मांग की है।

उन्होंने कहा कि यह निर्धारित करने के लिए फिल्म की स्क्रिप्ट और कहानी की जांच की जानी चाहिए कि क्या इसमें सहमति के बिना उनकी याचिका की सामग्री या किसी बौद्धिक कार्य का उपयोग किया गया है। भाजपा नेता ने जांच पूरी होने तक फिल्म के प्रचार, स्क्रीनिंग और प्रसारण को प्रतिबंधित करने का आग्रह किया है। सिंह की याचिका, जिसमें उन्होंने स्मारक के इतिहास पर स्पष्टता देने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से एक समिति के गठन का आग्रह किया था, को मई 2022 में उच्च न्यायालय द्वारा ख़ारिज कर दिया गया था। द ताज स्टोरी तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित और सुरेश झा द्वारा निर्मित एक आगामी हिंदी फिल्म है। इसमें परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, नमित दास और स्नेहा वाघ की भूमिकाएं हैं। यह फिल्म ताजमहल के निर्माण के आसपास के विवादास्पद सवालों की पड़ताल करती है और स्मारक के बारे में पारंपरिक ऐतिहासिक कथाओं को चुनौती देती है।

अभिनेत्री सोनल चौहान की 'मिर्जापुर : द फिल्म' में हुई एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

'जन्नत' फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री 'मिर्जापुर: द फिल्म' में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई।

नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैं।इस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको 'मिर्जापुर' की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं 'मिर्जापुर: द फिल्म' में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डु के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है। फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।

फिल्म '120 बहादुर' का नाम बदलने की मांग को लेकर गुरुग्राम में राजमार्ग को किया गया अवरूद्ध

गुरुग्राम (हरियाणा)/भाषा

अहीर समुदाय के सैकड़ों सदस्यों ने फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' के विरोध में रविवार को पदयात्रा कर यहां एक प्रमुख राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। 'संयुक्त अहीर रेजिमेंट मोर्चा' के एक बयान के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने खेड़की दौला टोल प्लाजा से दिल्ली सीमा तक मार्च किया और मांग की कि 1962 के भारत-चीन युद्ध पर आधारित फिल्म का नाम बदलकर '120 वीर अहीर' रखा जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगले महीने रिलीज होने वाली इस फिल्म में 13वीं कुमाऊं रेजिमेंट के 120 अहीर सैनिकों के बलिदान को पर्याप्त रूप से नहीं दर्शाया गया है, जिन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान लद्दाख में रेजांग ला स्थित सामरिक महत्व वाले पर्वतीय दर्रे की रक्षा की थी। मोर्चा के सदस्य सूबे सिंह यादव ने कहा, ''फिल्म का नाम बदला जाना चाहिए, अन्यथा हम हरियाणा और हमारे समुदाय वाले इलाकों में इसे रिलीज नहीं होने देंगे। अगर नाम बदलकर '120 वीर अहीर' नहीं किया गया, तो हम राज्य में फिल्म पर प्रतिबंध लगाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलेंगे।'' उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय में दायर किये जाने के लिए एक याचिका का मसौदा तैयार किया जा रहा है। वहीं, यातायात पुलिस ने बताया कि मार्च के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर एक किलोमीटर से अधिक लंबा जाम लग गया।

नई दिल्ली में मंगलवार को जलवायु वार्ता के लिए फ्रांस के विशेष दूत बेनोइट फराको नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा के 8वें सत्र में मीडिया से बातचीत के दौरान बोलते हुए।

संजय मिश्रा, नीना गुप्ता की फिल्म 'वध 2' छह फरवरी को होगी रिलीज

नई दिल्ली/भाषा

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता द्वारा अभिनीत फिल्म वध 2 छह फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। निर्माताओं ने सोमवार को इसकी घोषणा की।

इस फिल्म का लेखन एवं निर्देशन जसपाल सिंह संधू ने किया है जोकि फिल्म 2022 में रिलीज़ हुई फिल्म वध का आध्यात्मिक सीक्वल है। इसमें भी मिश्रा और गुप्ता मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग है।

निर्माताओं ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट किया जिसमें फिल्म का पोस्टर था। इसके कैप्शन में लिखा था, वध 2 सिनेमाघरों में छह फरवरी 2026।

संधू ने एक बयान में कहा,मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि 'वध 2' छह फ़रवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। हमने एक ऐसी कहानी गढ़ने में जी-जान लगा दी जो मनोरंजक और विचारोत्तेजक है। मैं, लव और अंकुर का आभारी हूं कि उन्होंने इस फिल्म के संवाद पर भरोसा किया। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं कि दर्शक फिल्म का अनुभव करें। फ़िल्म में मिलते हैं.... क्योंकि कहानी अभी बाकी है।

रंजन ने कहा, 'वध' की खूबसूरती इस बात में है कि यह आम लोगों के विश्वास को दिखाती है जो कठिन परिस्थितियों से गुजरते हैं और विवेक एवं साहस के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं। 'वध 2' के साथ, जसपाल इस तलाश को कई कदम और आगे ले जाते हैं। यह एक रोमांचक और विचारोत्तेजक कहानी है जो वाकई खास है। हम उत्साहित हैं कि दर्शक छह फरवरी से बड़े पर्दे पर इसे देख सकेंगे।

गर्ग ने कहा, 'वध' को मिले निरंतर प्यार ने हमें ऐसी फिल्में बनाने के लिए प्रेरित किया है जो न केवल दर्शकों से जुड़ती हैं बल्कि लव फिल्म्स के क्षितिज को भी व्यापक बनाती हैं। वध 2 के साथ हमें यह देखकर गर्व हो रहा है कि यह दुनिया एक ऐसी दिशा में आगे बढ़ रही है जो प्रभावशाली और सार्थक कहानियों को दिखाती है। हमें उम्मीद है कि दर्शक वध 2 को बड़े पर्दे पर देखकर आनंद लेंगे।

मानहानि मामले में अदालत में पेश हुई कंगना, गलतफहमी पर जताया खेद

बठिंडा/चंडीगढ़/भाषा

अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत सोमवार को मानहानि के एक मामले में बठिंडा की एक अदालत में पेश हुईं और कहा कि उनके 2021 के ट्वीट को लेकर गलतफहमी पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि उनके लिए हर 'माता' सम्माननीय है। अदालत ने पिछले साल सितंबर में हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकसभा सदस्य को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था। साथ ही वीडियो कांफ्रेंस के जरिए पेश होने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। रनौत की पेशी से पहले बठिंडा अदालत परिसर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। मानहानि का यह मामला अभिनेत्री द्वारा पंजाब के बठिंडा जिले के बहादुरगढ़ जन्दियन गांव की 73 वर्षीय शिकायतकर्ता महिंदर कौर के एक ट्वीट को अपनी टिप्पणी के साथ रीट्वीट करने पर आधारित है। उक्त टिप्पणी अब निरस्त किए जा चुके कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 के किसान विरोध प्रदर्शन के दौरान की गई थी।

साड़ी पहने और धूप का चश्मा लगाए रनौत अपराह्न करीब दो बजे अदालत परिसर पहुंचीं। अभिनेत्री ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की है। उन्होंने कहा, 'महिंदर (कौर) जी के परिवार के साथ जो भी गलतफहमी हुई, मैंने 'माता जी' को उनके पति को संदेश दिया कि किस तरह वह गलतफहमी का शिकार हुई हैं। महिंदर कौर अदालत में मौजूद नहीं थीं, लेकिन उनके पति उपस्थित थे। रनौत ने कहा, मैंने कभी सपने में भी इसकी कल्पना नहीं की थी... हर 'माता', चाहे वह पंजाब से हो या हिमाचल से, मेरे लिए सम्माननीय है। रनौत से जब संवाददाताओं ने पूछा कि क्या उन्होंने स्वीकार किया कि उनसे जानबूझकर या अनजाने में गलती हुई,तो इसके जवाब में सांसद ने कहा कि यदि मामले को ठीक से देखा जाए तो उनकी ओर से ऐसा कुछ नहीं है। रनौत ने कहा, एक रीट्वीट था जिसे मीम के रूप में इस्तेमाल किया गया। मैंने महिंदर जी के पति से भी इस बारे में चर्चा की है। उन्होंने कहा कि उस मीम में कई महिलाएं थीं और किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की गई थी। रनौत ने हालांकि कहा कि उन्हें इस पोस्ट से उत्पन्न गलतफहमी पर खेद है। जनवरी 2021 में बठिंडा में दायर एक शिकायत में, महिंदर कौर ने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद ने उन्हें गलत तरीके से बिलकिस बानो के रूप में पहचान कर बदनाम किया, जो एक कार्यकर्ता थीं और 2020 के शाहीन बाग विरोध प्रदर्शन के दौरान सुर्खियों में आई थीं। महिंदर कौर ने कहा कि अभिनेत्री ने रीट्वीट में उनकी तुलना शाहीन बाग विरोध प्रदर्शन में शामिल रहीं 'दादी' से करके उनके खिलाफ गलत आरोप और टिप्पणी की। महिंदर कौर ने कहा कि टाइम पत्रिका में छपी शाहीन बाग की महिला से उनका कोई संबंध नहीं है। रनौत ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया, जिसने उनके खिलाफ शिकायत को रद्द करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने 12 सितंबर को रनौत से कहा कि यह कोई साधारण रीट्वीट नहीं था और अभिनेत्री-नेता ने मौजूदा स्थिति में नमक मिर्च लगाया। बाद में रनौत ने अपनी याचिका वापस ले ली।

डॉन पलथारा के अगले सिनेमाई ब्रह्मांड में प्रवेश करेंगी पार्वती थिरुवोथु

मुंबई/एजेन्सी

नेशनल अवॉर्ड विजेता पार्वती थिरुवोथु अब डॉन पलथारा की अगली फिल्म की हीरोइन बनने जा रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ होंगे मलयालम सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर-एक्टर दिलीश पोथन। दो जबरदस्त दिमाग और एक कमाल की परफॉर्मर ऐसा तिकडी इकट्ठा हो रहा है जो मलयालम सिनेमा में कुछ नया बातचीत शुरू करा सकता है। पार्वती थिरुवोथु ने इंस्टाग्राम पर स्क्रिप्ट की फोटो डालकर लिखा डॉन पलथारा की बनाई दुनिया में कदम रख रही हूं, वह भी दिलीश पोथन के साथ। बेसब्र हूं।पहली बार पार्वती, डॉन और दिलीश साथ काम कर रहे हैं। डॉन पलथारा का सिनेमा अपने अंदर छुपी कोमल परतों, रिश्तों की तहों और चुपचाप बोल देने वाले इमोशन्स के लिए जाना जाता है जो पार्वती थिरुवोथु की बारीक और संवेदनशील एक्टिंग से एकदम मैच बैठता है। वहीं दिलीश पोथन खुद एक दमदार निर्देशक और बेहद नपे-तुले मगर असरदार अभिनेता माने जाते हैं। कहानी अभी राज में है, पर कहा जा रहा है कि यह इमोशन से भरी ड्रामा फिल्म होगी जिसकी शूटिंग केरल में होगी और बहुत जल्द फ्लोर पर जाएगी। पार्वती थिरुवोथु कहती हैं डॉन की फिल्में हमारी जिंदगी और हमारे प्यार करने के तरीकों को बिना शोर और बिना जजमेंट दिखाती हैं। ऐसे सिनेमाई स्पेस में कदम रखना एक्टर के लिए आजादी जैसा है। उनकी फिल्में हमें सोचने पर मजबूर करती हैं। उनके साथ काम करना मेरा सपना था। और दिलीश के साथ स्क्रीन शेयर करना, जिनकी क्रिएटिव संवेदनशीलता की मैं बरसों से फैन हूं, मेरे लिए फिर से स्टूडेंट बनने जैसा है। यह अनाउंसमेंट ऐसे वक्त पर आया है जब पार्वती थिरुवोथु हाल ही में ऋतिक रोशन की पहली फिल्म 'डीना' में लीड करने और 13 साल बाद निर्देशक बेजॉय नाम्बियार के साथ दोबारा जुड़ने को लेकर सुर्खियों में थीं। डॉन पलथारा की कहानी कहने की शैली, दिलीश पोथन की कलात्मक पकड़ और पार्वती थिरुवोथु की भावनात्मक ताकत यह पहली बार एक ही फ्रेम में मिल रही है।

यह सहयोग शायद वही नई बातचीत शुरू कर दे जिसका मलयालम सिनेमा काफी समय से इंतज़ार कर रहा था।

छठ पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वैशाली जनकल्याण पूजा समिति की ओर से बीटीएम लेआऊट स्थित लेक रोड पर छठ पूजा का सामूहिक आयोजन किया गया। पूजा की व्यवस्था अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, सचिव मुकेश सिंह, कोषाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह आदि ने की। सोमवार को सायंकालीन अर्घ्य व मंगलवार को प्रात:कालीन अर्घ्य के दौरान छठ मैया के जयकारे गूंजे। महिलाओं ने परंपरागत गीतों के साथ सूर्य देवता की आराधना की और समाज के सुख, समृद्धि एवं स्वास्थ्य की कामना की।

तेरापंथ हस्तकला उत्सव में संतों द्वारा हस्तनिर्मित वस्तुओं का किया प्रदर्शन

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ धर्मसंघ में पहली बार मुनिश्री विनीतकुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ हस्तकला उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुनिश्री विनीतकुमारजी ने कहा कि तेरापंथ हस्तकला प्रदर्शनी एक ऐसी प्रदर्शनी है जिसमें तेरापंथ धर्म संघ के साधु-साध्वियों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प और चित्रकला के नमूने प्रदर्शित की जाती है। इन प्रदर्शनियों में सूक्ष्म अक्षर लिपि, विभिन्न प्रकार के चित्र, सिलाई-रंगाई शिल्प और गुंथाई शिल्प जैसी कई कलाकृतियां शामिल होती हैं। मुनिश्री ने कहा कि जीवन के प्रत्येक व्यवहार में मानवीय और आध्यात्मिक प्रेरणा इस प्रदर्शनी का मूल उद्देश्य रहा। जैन धर्म में इस कला का क्रम सदियों से चला आ रहा है, जिसे तेरापंथ धर्म संघ के साधु-साध्वियों ने विकास के शिखर तक पहुंचाया। मुनिश्री पुनीतकुमारजी ने तेरापंथ हस्तकला के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रदर्शनी में संतों द्वारा निर्मित सूक्ष्म अक्षर लिपि, श्रीमद् भागवत् गीता, चौबीसी और पंचसूत्रम् जैसी कृतियों पर सूक्ष्म अक्षरों में लेखन, चित्र शिल्प के तहत बुद्धिपरीक्षा, स्वर्ग और नरक, और कर्म जगत के प्रतिफल जैसे विषयों पर चित्र और पीपल के पत्तों पर चित्रांकन, सिलाई-रंगाई शिल्प के अंतर्गत काष्ठ पात्रों के स्वरूप, नारियल की टोपसी और रजोहरण खोली जैसे विभिन्न हस्तनिर्मित वस्तुएं, गुंथाई शिल्प में हत हस्तनिर्मित डोरिया और विभिन्न रंगों की जालीदार मालाएं तथा हस्तलिखित भक्तांमर व कल्याण मंदिर स्तोत्र का केशवापुर के नूतन वासुदेव भवन में प्रदर्शन किया गया। इन कलाकृतियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

छठ महापर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बोम्मनहल्ली स्थित सत्वा ग्रीनेज सोसाइटी के निवासियों ने सोमवार को सूर्य भगवान को सायंकालीन व मंगलवार को प्रात:कालीन अर्घ्य देकर छठ महापर्व मनाते हुए सभी के लिए मंगलकामनाएं की।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु द्वारा राष्ट्रीय सेवा प्रकल्प 'आनंद सबके लिए' के अंतर्गत मासिक सेवा कार्यक्रम के तहत 'खुशियों की थाली' का आयोजन यशवंतपुर स्थित एक प्रतिष्ठान के परिसर में किया गया। इस आयोजन में हजार से अधिक जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। कार्यक्रम का संयोजन रूपेश केडिया ने किया तथा मुख्य प्रायोजक सीपी फिटिंग्स व्यवसायी प्रदीप, राकेश केडिया परिवार का सम्मान किया गया। अन्नदान कार्यक्रम में मायुमं के उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल सहित अन्य ने सेवा प्रदान की।

चेहरा नहीं, आत्मा सुन्दर होनी चाहिए : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि गुरुओं का गुणगान करना चाहिए। ऐसा करने से गुरु के प्रति उत्सुकता पैदा होती है। कोई कपड़ों से सुंदर नहीं होता है। इंसान अपने कर्मों से सुंदर होता है। चेहरे की लाख सुंदरता हो अगर मन और आत्मा मैला है तो सब बेकार है। लेकिन अगर मन और आत्मा सुंदर और पवित्र है तो चेहरा अपने आप ही सुंदर हो जाता है। मनुष्य की कीमत उसके अच्छे मन और शुद्ध आत्मा से होती है। अच्छा चेहरा होने से किसी का महत्व नहीं बढ़ता है। महत्व कपड़ों, ऊंची हवेली की नहीं होती है। गाय खरीदने वाला रंग की कदर नहीं बल्कि दूध की कदर करता है। ङ्कसंतश्री ने कहा कि गरीब शिखर पर भी बैठे तो कुछ नहीं, लेकिन बड़ा आदमी नीचे भी बैठे तो कीमती होता है, ऐसे ही गुरुओं का गुणगान चल रहा है। आचार्यश्री हस्तीमलजी के वर्तमान पट्टधर आचार्य हीरामुनिजी का आज दीक्षा दिवस है। आचार्य हीरा मुनि बचपन से ही बहुत ज्ञानी थे। उनकी भव्य आंखें और तेज चेहरा है जो हमेशा चमकता रहता है। उन्होंने अपने ज्ञान से कईयों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश लाया है। उन्हें वैराग्य का बीज मिला और अपने जीवन को सफल कर लिया। गुरुओं का गुणगान सुनने के बाद जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को सुंदर बनाना है तो गुणगान सुन कर आत्मा को पवित्र करना चाहिए। प्रवचन में मीठालाल गुणवंतराज गोलछा, महावीरचंद जैन आदि ने अपने भाव व्यक्त किए। कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मुथा ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने आभार व्यक्त किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

परमात्मा के नाम के बिना धन-दौलत का कोई अर्थ नहीं : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने अपने प्रवचन में कहा कि धन-दौलत, पद-प्रतिष्ठा और भौतिक सुख ये सब तभी सार्थक हैं जब उनमें परमात्मा का नाम, भक्ति और सद्भाव जुड़ा हो अन्यथा यह सब जीवन को केवल बाहरी चमक देता है, आंतरिक शांति नहीं। मुनिश्री ने कहा कि संसार में मनुष्य धन अर्जित करने में तो निरंतर प्रयासरत है, परंतु ईश्वर-स्मरण और आत्म-ज्ञान को अक्सर पीछे छोड़ देता है। उन्होंने कहा कि धन से सुख खरीदा जा सकता है, लेकिन शांति नहीं, संपत्ति से मान पाया जा सकता है, लेकिन मोक्ष नहीं। जीवन का सच्चा उद्देश्य बताते हुए संतश्री ने कहा कि जब मनुष्य अपने धन और सामर्थ्य का उपयोग सेवा, सदाचार और सत्कर्म में करता है, तभी वह वास्तव में धन्य कहलाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे दीपक का प्रकाश तभी उपयोगी होता है जब वह अंधकार मिटाए, वैसे ही धन तभी पवित्र होता है जब वह धर्म और मानवता की सेवा में लगे। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में 'परमात्मा का नाम और सदाचार का मार्ग' अपनाएँ, तभी जीवन में सच्चा संतुलन और आंतरिक समृद्धि संभव है। युवाश्री रूपेश मुनिजी ने भजन प्रस्तुत किया। उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

गौवंश, खादी के प्रबल समर्थक व स्वाभिमानी संत थे गणेशीलालजी : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में कर्नाटक गजकेसरी गणेशीलाल जी के 146 वें जन्मोत्सव पर साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि मुनि गणेशीलाल जी ने अपने जीवन में तप का मार्ग अपनाया था और तप करने की ही सभी को प्रेरणा दी थी। तप से कर्म कटते हैं और अनेक लब्धियों की प्राप्ति हो सकती है। मुनि गणेशीलालजी की सभी के प्रति हित भावना रहती थी और परेशान जनों के दुख दर्द को वे तप मार्ग से साता पहुंचाते थे। वे गौवंश और खादी के प्रबल प्रेरक स्वाभिमानी संत थे और उनमें स्वदेशी प्रेम भरा था। कर्नाटक की धरा पर उनका खूब विचरण हुआ। यहां विचरण कर मुनि ने यहां के प्रवासी समाज में धर्म संस्कारों को मजबूत किया। कर्नाटक की जनता ने गणेशीलाल जी के पराक्रम से प्रभावित हो कर उन्हें कर्नाटक गज केसरी का सम्मान दिया। बिलाड़ा के ललवानी परिवार में जन्मे गणेशीलाल जी ने बचपन से ही खूब परिषह सहन किए और अपने अंदर वैराग्य भाव जाग्रत कर संयम मार्ग अपनाया।ङ्क साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि अनंत काल से जीव की रुचि संसार में घर बनाने की रही है परन्तु यहां किसी का स्थाई घर हो नहीं सका है। अब हमें अपना स्थाई घर के बारे में सोचना है जो मात्र निर्वाण से संभव है। हम मर्यादित जीवन जीएं और व्रत नियमों को श्वास की तरह याद रखें। संसार में जीवन जीने की कला सीखें। यहां हम मात्र कर्तव्य पालन की दृष्टि से कार्य करें और आसक्ति से मुक्त रहें। प्रवचन सभा में साध्वी शशिप्रभा जी के संसार पक्षीय वीर परिवार के उमेश एवं सोनाली चौधरी का अलसूर संघ की ओर से सम्मान किया गया। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने मुनि गणेशीलाल जी का संघ की ओर से स्मरण किया।

जीतो साउथ की महिलाओं ने और अधिक सुन्दर दिखने के गुर सीखे

मेकअप कार्यशाला में शामिल हुईं 190 सदस्याएं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो साउथ लेडीज़ विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा 'सक्षम' के तत्वावधान में सोमवार को जीतो कार्यालय में ग्रेसफुली ग्लैम, आत्मविश्वास और आंतरिक सौंदर्य का उत्सव 'मेकअप' कार्यशाला का आयोजन किया गया। चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि सौंदर्य वही, जो भीतर की शांति और आत्मविश्वास से दमके। ग्रेसफुली ग्लैम केवल मेकअप सीखने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और आत्मसम्मान के भाव को पुनः जागृत करने का अवसर है। वाइस चेयरपर्सन एवं संयोजिका लता बोहरा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई तथा प्रशिक्षिका मेकअप आर्टिस्ट हर्षा चौपड़ा का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन अस्मिता चौहान ने किया।ङ्कप्रसिद्ध सेलिब्रिटी हर्षा चोपड़ा अग्रवाल ने कार्यशाला के दो बैचों में 190 सदस्याओं को प्रशिक्षण देते हुए त्वचा की बनावट, उसकी देखभाल और अलग-अलग प्रकार की त्वचा पर पानी के तापमान के प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सौंदर्य की मेकअप की पहली सीढ़ी स्वस्थ त्वचा है और इसके लिए क्लेंजिंग, मॉइश्चराइज़र, सनस्क्रीन और टोनर का नियमित प्रयोग आवश्यक है। उन्होंने सुन्दर दिखने के लिए अनेक गुर सिखाए। हर्षा ने दो अलग अलग मॉडलों पर लाइव मेकअप प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष संगीता पारख, वनिता बच्छावत, तरुणा मेहता, निशा कोठारी, नीतू गुलेच्छा और अर्पिता लढ़ानी का सहयोग रहा। संगीता सियाल ने धन्यवाद दिया।

मल्लेशपाल्या छठ पूजा में जनता के साथ शामिल हुए स्थानीय विधायक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मल्लेशपाल्या छठ पूजा महोत्सव समिति के तत्वावधान में बस स्टॉप के पास दो दिवसीय छठ पूजा का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय विधायक एस रघु ने सभी उत्तरभारतीय प्रवासियों का स्वागत करते हुए कहा कि छठ पूजा बिहार, उत्तर प्रदेश और आसपास के कई क्षेत्रों के लोगों के दिलों से जुड़ा एक उत्सव है। समिति की ओर से उनका सम्मान किया गया। महोत्सव में आरएसएस संस्था के स्वयंसेवकों ने ट्रैफिक व्यवस्था संभाली। सोमवार को अस्ताचल सूर्य को तथा मंगलवार को उदयमान सूर्य को अर्घ्य दिया गया। इस उत्सव में लगभग 1500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। कमेटी के एसपी सिंह, अमितसिंह, मिक्की श्रीवास्तव, सत्यप्रकाश भारद्वाज आदि ने व्यवस्था संभाली।

भोजपुरी समाज सेवा समिति की छठ पूजा में उमड़ी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आस्टिन टाउन के नंदा फुटबाल ग्राउंड पर भोजपुरी समाज सेवा समिति ने छठ पूजा का आयोजन किया जिसमें सोमवार को डूबते हुए सूर्य एवं छठी मैया की सामूहिक आरती की, अर्घ्य दिया गया तथा मंगलवार को उदयमान भगवान भाष्कर को अर्घ्य दिया गया।

इस महापर्व में शांतिनगर के विधायक एनए हैरिस, बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांतकुमार सिंह, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक जूही स्मिता सिन्हा, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के डीजीएम शैलेन्द्र कुमार सिंह, पंजाब नेशनल बैंक के डीजीएम रातेश कुमार सिंह सहित समिति के संस्थापक अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव गिरीशचंद्र पांडेय, महासचिव एलपी सिंह, पूजा कमेटी के अध्यक्ष पुष्कर कुमार, सह अध्यक्ष सुनीता पांडेय आदि ने आरती में भाग लिया।

नवदुर्गा पूजा समिति ने छठ पूजा पर की सूर्य पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नवदुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के होंगसान्द्रा बेगूर में आयोजित लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा के चौथे दिन मंगलवार को छठ व्रतधारियों ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्य भगवान से अपने जीवन में सुख-समृद्धि व शांति की प्रार्थना करते हुए व्रत का समापन किया। सोमवार को छठ पूजा के लिए बनाए गए अस्थायी जलाशय में स्नान कर अस्ताचल होते भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। छठ व्रतधारियों ने पूजा अर्चना के बाद जलाशय में उतरकर अपने परिवार के साथ ही साथ लोक कल्याण के मंगल की कामना से भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर व्रत का समापन किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष चंदन उपाध्याय, उपाध्यक्ष शिबू प्रसाद प्रहराज, सचिव लवकुश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

'स्वजन सेवा सहयोग' की छठ पूजा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्वजन सेवा सहयोग संस्था के तत्वावधान में अयप्पानगर बसवनपुरा तालाब पर छठ पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सोमवार को संध्या अर्घ्य के दौरान व्रतधारियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया, वहीं मंगलवार को प्रातः कालीन बेला में उगते सूर्य देव को अर्घ्य देकर महोत्सव का विधिवत समापन किया। कार्यक्रम में विभिन्न लोकप्रिय भजनों व छठ गीतों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में केआरपुरम के विधायक बैरती बसवराज सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भीड़ को देखते हुए विधायक बैरती बसवराज ने भविष्य में छठ घाट के विस्तार का आश्वासन भी दिया, जिससे आने वाले वर्षों में श्रद्धालुओं को और बेहतर सुविधा मिल सके। संगठन के अध्यक्ष ने सभी को धन्यवाद दिया।

भाषा प्रौद्योगिकियों और एआई की मदद से कोई समुदाय पीछे नहीं रहेः दक्षिण अफ्रीका की मंत्री

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका की एक मंत्री ने जी20 के एक कार्यक्रम में कहा कि मानव भाषा प्रौद्योगिकियों और एआई को पहुंच का विस्तार करने, विविधता की रक्षा करने तथा यह सुनिश्चित करने में मदद करनी चाहिए कि कोई भी भाषा और कोई भी समुदाय पीछे न छूटे। दक्षिण अफ्रीका की खेल, कला और संस्कृति उप मंत्री पीस माबे, डरबन से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित लुथुली संग्रहालय में क्वाजुलु नटाल प्रांत के जी20 संस्कृति कार्य समूह को संबोधित कर रही थीं। वे अगले महीने जोहानिसबर्ग में होने वाले शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें वैश्विक नेता भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका जी20 की आगामी वर्ष की अध्यक्षता अमेरिका को सौंप देगा। जी20 संस्कृति कार्य समूह की बैठक में सांस्कृतिक लचीलेपन और सतत विकास में भाषाओं की भूमिका पर चर्चा हुई। ''मानव भाषा प्रौद्योगिकियों और एआई को पहुंच का विस्तार करने, विविधता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने में मदद करनी चाहिए कि कोई भी भाषा और कोई भी समुदाय पीछे न छूटे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

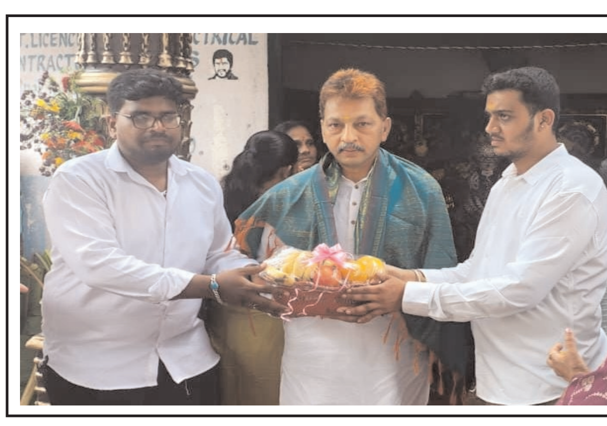

बेंगलूरु के अम्पामित्र अण्णमादेवी सेवा समिति मारुति नगर द्वारा अण्णमादेवी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां वितरित की। समिति के पदाधिकारियों ने मुणोत का सम्मान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**